मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 7 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण 9 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 324, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ सामुदायिक भागीदारी व नीतिगत इच्छाशक्ति से कैंसर पर अंकुश

हुस्न परी बनीं ऐश्वर्या राय, 600 घंटे की मेहनत, 7000 असली मोतियों से बनी ड्रेस पहनकर कान्स पहुंची एक्ट्रेस ◂◂ 6

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र : जेपीएससी को लेकर दूसरे दिन भी हंगामा

सीबीआई जांच पर अड़ा विपक्ष, सत्ता पक्ष बोला- छात्रों को भड़का रही भाजपा

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं का मुद्दा सदन के अंदर और बाहर छाया रहा। विपक्षी दल भाजपा और आजसू ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग उठाई। भाजपा विधायकों ने छात्र आंदोलन का समर्थन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आरोप लगाया कि अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच आवश्यक है।

सरकार छात्रों की मांगों के प्रति संवेदनशील नहीं : बाबूलाल मरांडी प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सरकार छात्रों की मांगों के प्रति संवेदनशील नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्र पिछले 13 दिनों से सत्याग्रह पर बैठे हैं और कई छात्र भूख हड़ताल पर हैं, लेकिन सरकार उनकी चिंता नहीं कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो वह सीबीआई जांच से क्यों बच रही है। भाजपा के अन्य विधायकों ने भी सरकार पर छात्रों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

झारखंड में जंतर-मंतर जैसा माहौल नहीं बनने देंगे: मंत्री सुदिव्य कुमार वहीं, सत्ता पक्ष ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार छात्रों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने पलटवार करते हुए कहा कि सरकार की वार्ता में वास्तविक आंदोलनकारी छात्र नहीं, बल्कि कोचिंग संचालक और बाबूलाल मरांडी के करीबी लोग शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा रांची में भी दिल्ली के जंतर-मंतर जैसा माहौल बनाना चाहती है, लेकिन राज्य सरकार ऐसा नहीं होने देगी।

भाजपा विधायकों का सदन के बाहर जोरदार प्रदर्शन

रांचीः जेपीएससी और जेएसएससी में हुए बड़े पैमाने पर घोटाले के खिलाफ भाजपा विधायकों ने आज सदन के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। हाथों में टैक्स के पोस्टर लेकर भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि झारखण्ड में अब नौकरी योग्यता से नहीं, लाखों के के रेट चार्ट से मिल रही है।

भाजपा विधायकों ने मांग की कि पिछले 6 साल की सभी भर्तियां रद्द कर पूरे मामले की सीबीआई जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों को बर्खास्त कर जेल भेजा जाए।

हंगामे के बीच वित्त मंत्री ने सदन में 8399 करोड़ 31 लाख का अनुपूरक बजट किया पेश

कार्यवाही 10 अगस्त सुबह 11 बजे तक स्थगित

रांची : झारखंड विधानसभा की कार्यवाही 12.30 बजे दोबारा शुरू होते ही सदन में एक बार फिर हंगामे की स्थिति बन गई। एक ओर विधायक प्रदीप यादव अपने स्थान पर खड़े होकर अपनी बात रखने लगे, वहीं दूसरी ओर भाजपा के सभी सदस्य भी अपनी-अपनी सीटों पर खड़े होकर विरोध जताने लगे। सदन में लगातार शोर-शराबे के बीच विधानसभा अध्यक्ष ने व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सभी सूचनाओं को पढ़ी हुई मानी जाए। इसके बाद सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाने की कोशिश की गई, लेकिन हंगामे के कारण माहौल लगातार गरमाया रहा।

हंगामा के बीच वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन में 8399 करोड़ 31 लाख का अनुपूरक बजट को पेश किया। भाजपा विधायकों के हंगामे के कारण स्पीकर रविंद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही 10 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

न्यूज IN ब्रीफ

खाली पड़ा घर ढहा अंदर निकले चांदी के सिक्के, देखने उमड़ी लोगों भीड़

हजारीबाग : टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र के अमनारी गांव में गुरुवार की रात वर्षों से खाली पड़ा एक पुराना मिट्टी का मकान अचानक ढह गया । जिसके बाद मकान के मलबे से चांदी के सिक्के मिलने की बात सामने आई है। यह मकान गांव के बढ़न महतो का बताया जा रहा है, स्थानीय लोगों के अनुसार, मकान पिछले कई वर्षों से खाली पड़ा था। गुरुवार की रात अचानक मिट्टी का यह घर गिर गया। शुक्रवार की सुबह जब आसपास के लोगों की नजर मलबे पर पड़ी, तो वहां दर्जनों चांदी के सिक्के दिखाई दिए। सिक्के मिलने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गयी।

ग्रामीणों के बीच डर का माहौलः ग्रामीणों में इन सिक्कों को लेकर डर का माहौल है और लोग किसी अनहोनी के डर से चांदी के सिक्का उठाने से परहेज कर रहे हैं।मामला चर्चा में आने के बाद लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि किसी भूत-प्रेत के डर से वे सिक्कों को उठाने से बच रहे हैं। हालांकि, ये सिक्के वास्तव में चांदी के हैं या नहीं और उनकी प्राचीनता क्या है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना पूरे गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है।

मो इमरोज हत्याकांड मामले में दो पुलिस पदाधिकारी समेत चार पुलिस कर्मी निलंबित

चतरा : जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के ग्राम बड़गाँव में एक नाबालिक लड़की का अपहरण कर जबरन बलात्कार करने के आरोप में परिजनो एवं ग्रामीणों द्वारा पिता एवं पुत्र के साथ मारपीट की घटना में मारे गए इमरोज खान प्रकरण मे चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने बड़ी कार्रवाई की है। चतरा एसपी ने इस मामले में टंडवा थाना में पदस्थापित पुअनि सुनिल सिंह, मपुअनि दुलारी पूर्ति, आ0/505 दशरथ महतो एवं आ0/613 प्रदीप कुमार को कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में निर्लंबित कर दिया है। इस आशय की जानकारी देते हुए चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने बताया कि सोशल मीडिया में एक वीडियो में मारपीट की घटना दिखाई गई थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में टंडवा एसडीपीओ प्रभात की अगुवाई में एक जांच टीम का गठन किया गया था।एसपी ने बताया कि जांच टीम ने सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियों के अवलोकन के पश्चात जांच रिपोर्ट पेश की।जांच रिपोर्ट के मुताबिक मो० इमरोज, पिता-मो० सुल्तान मियां को बचाने हेतु इन पुलिस कर्मियों द्वारा सार्थक प्रयास नहीं किया गया।इस कारण हजारीबाग सदर अस्पताल में ईलाज के दौरान मो० इमरोज की मृत्यु हो गई, जो इनके कार्य के प्रति लापरवाही प्रतीत होती है।एसपी श्री नैथानी ने बताया कि पुलिस कर्मियों द्वारा बरती गई इस लापरवाही से चतरा पुलिस की छवि धुमिल हुई है।एसपी ने बताया कि निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय पुलिस केन्द्र, चतरा होगा। कहा कि इसके अलावा इनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही भी प्रारंभ की जाएगी।

भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता प्रदीप सिंह तीसरी बार बने प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

चतरा : चतरा भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता प्रदीप सिंह को प्रदेश भाजपा ने तीसरी बार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किया है। इनका प्रदेश कार्यसमिति सदस्य चुना जाना निस्संदेह उनके वर्षों के अथक परिश्रम, संगठन के प्रति समर्पण और कार्यकताओं के विश्वास का सम्मान है। प्रदीप सिंह ने अपनी राजनीतिक यात्रा पंचायत अध्यक्ष के रूप में प्रारंभ की। इसके बाद वे भारतीय जनता युवा मोर्चा में जिला मंत्री के रूप में संगठन को मजबूत करने में सक्रिय रहे। फिर मंडल अध्यक्ष का भी पदभार संभाला। तत्पश्चात किसान मोर्चा का जिला अध्यक्ष बने।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आगे चलकर भाजपा किसान मोर्चा में दो-दो बार प्रदेश मंत्री और प्रदेश उपाध्यक्ष के दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन किया तथा दो बार किसान मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति में सदस्य के रूप में प्रतिनिधित्व किया। पुनः इन्हें तीसरी बार प्रदेश कार्य समिति में पार्टी ने सम्मान देने का काम किया है।

उनकी सबसे बड़ी पहचान केवल पद नहीं, बल्कि कार्यकताओं के प्रति उनका अपनापन है। वे हमेशा कार्यकर्ताओं के सुख-दुःख में साथ खड़े रहने वाले, सहज, सरल और कर्मठ नेता के रूप में जाने जाते हैं। प्रदीप सिंह ने कहा कि उन्हें जो भी सम्मान और दायित्व मिला है, वह कार्यकर्ताओं के विश्वास, आशीर्वाद का परिणाम है। जिले के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदीप सिंह के प्रति पूर्ण विश्वास जताते हुए कहा है कि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के रूप में भी आप संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने, कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और जनता की सेवा के संकल्प को और अधिक मजबूती देंगे।

सखुआ महोत्सव की तैयारी अंतिम चरण में

रांची : रांची नगर निगम की ओर से आयोजित होने वाले सखुआ महोत्सव 2026 की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। महोत्सव के सफल आयोजन और सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के उद्देश्य से महापौर श्रीमती रोशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार और नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने संयुक्त रूप से आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पौधारोपण, मंच निर्माण, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, पार्किंग और यातायात प्रबंधन सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। नगर निगम अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि सखुआ महोत्सव केवल पौधारोपण तक सीमित कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने का जन अभियान है। उन्होंने कहा कि महोत्सव के माध्यम से नागरिकों, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और विभिन्न संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि पर्यावरण संरक्षण का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आयोजन स्थल पर स्वच्छता, पौधों की उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं। साथ ही, कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों और नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने को कहा।

जेपीएससी- जेएसएससी छात्र आंदोलन का 14वां दिन

मुख्यमंत्री से वार्ता का इंतजार, प्रदर्शनकारी की तबीयत बिगड़ी, आज विधानसभा घेराव

संवाददाता

रांची : झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अभ्यर्थियों और छात्रों का सत्याग्रह आंदोलन शुक्रवार को 14वें दिन भी जारी है। सरकार की ओर से वार्ता का प्रस्ताव दिए जाने के बावजूद अब तक छात्र प्रतिनिधियों को औपचारिक रूप से बातचीत के लिए नहीं बुलाया गया है। इससे आंदोलनरत छात्रों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इधर, चार दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे राहुल क्रांति को कमजोरी और बुखार के कारण राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है।

सकारात्मक वार्ता न होने पर 10 अगस्त को विधानसभा का घेराव करेंगे आंदोलनकारीः छात्रों की प्रमुख मांगों में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग शामिल है। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि सरकार के साथ होने वाली वार्ता सकारात्मक नहीं रही, तो 10 अगस्त को विधानसभा का घेराव किया जाएगा। आंदोलन अब तक पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। प्रदर्शन स्थल पर राष्ट्रभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्र अपनी बात रख रहे हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि उनके आंदोलन में किसी प्रकार की आपत्तिजनक या राष्ट्रविरोधी नारेबाजी नहीं हुई है, जिसके कारण उन्हें राज्य के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों से भी समर्थन मिल रहा है।

वामपंथी दल आज करेगा विधानसभा घेरावः इधर, वामपंथी छात्र संगठनों ने भी आंदोलन में सक्रिय भागीदारी शुरू कर दी है। इन संगठनों ने शुक्रवार को जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी के विरोध में विधानसभा घेराव का आह्वान किया है। इसे देखते हुए विधानसभा परिसर और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क है।

पलामू डीसी ने जमीन पर बैठकर सुनी नेत्रहीन बुजुर्ग की फरियाद, दिया जमीन दिलाने का भरोसा

संवाददाता

पलामू : समाहरणालय परिसर में मानवता और संवेदनशील प्रशासन की मिसाल देखने को मिली।यहां पलामू उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने एक पूर्णतः नेत्रहीन बुजुर्ग की समस्या सुनकर तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। आपको बता दे कि हुसैनाबाद के देवरी सैदपुर निवासी दृष्टिबाधित बुजुर्ग भूलन राम डीसी कार्यालय अपनी फरियाद लेकर पहुंचे,लेकिन उनकी डीसी से मुलाकात नहीं हो पाई जिसके कारण वे मायूस होकर लौट रहे थे।उनके पास घर लौटने तक के लिए किराया नहीं था। यह देख कार्यालय के ऑपरेटर आसिफ ने अपनी जेब से उनकी आर्थिक मदद की और उन्हें सहारा देकर समाहरणालय से नीचे तक लेकर आ रहे थे । इसी दौरान वहां पहुंचे उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की नजर बुजुर्ग पर पड़ी उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी से उतरकर स्वयं उनके पास पहुंचकर उनकी पूरी बात सुनी।

जमीन पर बैठ डीसी ने सुनी बुजुर्ग की बात

: ीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत जमीन पर बैठ गये और भूलन राम की आपबीती गंभीरता से सुनी । भावुक होकर भूलन राम ने बताया कि वे चार भाई है और उनके बड़े भाई लक्ष्मण राम उनका पालन-पोषण करते थे। लेकिन अब उनके बड़े भाई की भी आंखों की रोशनी चली गयी है और अब उनका कोई सहारा नहीं है जिससे परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है।उन्होंने बताया कि उनकी शादी नहीं हुई है और पैतृक संपत्ति में लगभग पांच बीघा जमीन है। उन्होंने डीसी से अनुरोध किया कि उन्हें उनका हिस्सा दिला दिया जाए, ताकि वे सम्मान पूर्वक अपना जीवन यापन कर सकें।

डीसी ने हुसैनाबाद थाना प्रभारी को दिया जांच का आदेशः मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसी ने तत्काल हुसैनाबाद थाना प्रभारी को फोन कर पीड़ित के गांव जाकर पूरे मामले की जांच करने तथा परिवार से बातचीत कर उन्हें पैतृक जमीन में उचित हिस्सा दिलाने का निर्देश दिया । साथ ही उन्होंने पीड़ित की सुरक्षा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि असहाय और जरूरतमंद लोगों की तत्काल सहायता करना प्रशासन की प्राथमिकता है और हर नागरिक को सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है और प्रशासन ऐसे मामलों में पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करेगा।

तड़का गिरने से खेत में काम कर रहे दंपती की मौत

संवाददाता

रांची : राज्य में लगातार हो रही बारिश के बीच आकाशीय बिजली लोगों पर कहर बनकर टूट रही है। गुरुवार को हजारीबाग और चतरा जिले में वज्रपात की अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटनाओं के बाद प्रभावित परिवारों में मातम पसरा हुआ है।

खेत में काम कर रहे दंपती की मौतः हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव में धान के खेत में काम कर रहे दंपती पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। इस हादसे में 51 वर्षीय बसुदेव महतो और उनकी 48 वर्षीय पत्नी दुलिया देवी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों की जान जा चुकी थी।

एक अन्य महिला की भी गई जानः इसी जिले के बरकठा थाना क्षेत्र के चौथा गांव में भी वज्रपात की चपेट में आने से 50 वर्षीय बसवा देवी की मौत हो गई। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

चतरा में युवक की मौतः चतरा जिले के पिपरवार थाना क्षेत्र में भी आकाशीय बिजली गिरने से 25 वर्षीय पवन कुमार महतो की मौत हो गई। वह कल्याणपुर बाजार से अपने गांव हफुआ लौट रहे थे, तभी रास्ते में वज्रपात की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, खेत और पेड़ों के नीचे जाने से बचने की अपील की है।

आठ पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

संवाददाता

चतरा : सदर पुलिस ने छापामारी अभियान चला कर बाबा घाट मैदान के समीप से आठ पुड़िया में 0।87 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में शहर के बिंड मुहल्ला नउवा टोला निवासी मो राजा व मो सुल्तान उर्फ पिंटू शामिल है। थाना प्रभारी अनिल उरांव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को सूचना मिली थी कि बाबा घाट मैदान के पास कुछ युवक ब्राउन शुगर पीने-पिलाने का कार्य कर रहे है। सूचना के आधार पर छापामारी टीम का गठन किया गया।टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मैदान के पास से दो युवको पकड़ा गया।दोनो की तलाशी लेने पर आठ पुड़िया में 0।87 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया गया। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनो को जेल भेज दिया गया। छापामारी टीम में थाना प्रभारी के अलावा पुलिस अवर निरीक्षक कासिम अंसारी व कई जवान शामिल थे।

वज्रपात की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता

चतरा : जिले के कोयलांचल पिपरवार थाना क्षेत्र के हफुआ गांव के निकट गुरुवार की शाम बज्रपात की चपेट में आने से 25 वर्षीय युवक पवन कुमार महतो पिता गणेश महतो उर्फ कलपु महतो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने वज्रपात की चपेट में आने से मरे युवक को पिपरवार क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया, जहां जांच के उपरांत डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक पिपरवार थाना क्षेत्र के ग्राम हफुआ का रहने वाला था। मृतक युवक एनटीपीसी चट्टी बरियातु में हाइवा चालक का कार्य करता था। एक महीने पूर्व उसकी शादी हुई थी। युवक की मौत की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वज्रपात की घटना गुरुवार की शाम करीब 7 बजे की बताई जा रही है। हफुआ गांव के युवक की मौत की सूचना मिलने पर गांव के देवनाथ महतो, मनोज महतो, महेंद्र महतो, रुप लाल महतो, छोटन महतो, जितेन्द्र महतो, मुकेश महतो, बसंत महतो समेत अन्य ग्रामीण पिपरवार क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचे। मामले की सूचना टंडवा प्रखंड विकास पदाधिकारी और पिपरवार पुलिस को दी गई। इस बाबत थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा ने बताया कि सरकारी प्रावधानों के तहत मृतक के आश्रितों को मुवावजा दिया जाएगा।

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पहुंचे चतरा

उपाध्यक्ष व सदस्य संग बड़गांव घटना को लेकर की समीक्षा बैठक

संवाददाता

चतराः झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान,उपाध्यक्ष प्राणेश सॉलोमन एवं सदस्य कारी बरकत अली गुरुवार को चतरा पहुंचे। इनके चतरा आगमन पर परिसदन भवन चतरा में उपायुक्त रवि आनंद एवं पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके उपरांत परिसदन भवन में आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में टंडवा थाना अंतर्गत ग्राम बड़गांव में घटित घटना के संबंध में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। बैठक के दौरान घटना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा अब तक की गई प्रशासनिक एवं विधिसम्मत कार्रवाई की समीक्षा की गई।बैठक में मृतक के आश्रितों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से नियमानुसार लाभान्वित किए जाने से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। साथ ही यह सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि पात्र लाभुकों को निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए।आयोग के अध्यक्ष ने घटना में दोषी एवं संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर एवं त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि विधि के शासन के अनुरूप दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए तथा किसी भी दोषी को बख्शा न जाए। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को मामले की सतत निगरानी रखते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम उपस्थित थे।

चोरों ने कई वाहनों को बनाया निशाना, लाखों का सामान चुराया

मेट्रो रेज

रांची: हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र में गुरुवार रात चोरों ने लगातार कई वाहनों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मेन रोड स्थित हाई स्ट्रीट मॉल के बगल की गली में जोखीराम कॉम्प्लेक्स के समीप खड़ी कई कारों की डिक्की तोड़कर चोर लैपटॉप, चार्जर, पर्स समेत अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, एक निजी कंपनी के अधिकारी सुभोजित चटर्जी की हुंडई कार उनके कार्यालय के बाहर खड़ी थी। चोरों ने कार की डिक्की तोड़कर उसमें रखा लैपटॉप, चार्जर और पर्स चोरी कर लिया। पर्स में क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे।

इसी दौरान, चोरों ने पास में खड़ी एक अन्य कार की डिक्की भी तोड़ दी और उसमें रखा कीमती सामान लेकर फरार हो गए। एक ही रात में लगातार कई वाहनों को निशाना बनाए जाने से आसपास के कार्यालयों में काम करने वाले लोगों और स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

घटना के बाद, सुभोजित चटर्जी ने हिंदपीढ़ी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि शुक्रवार को घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जाएगी, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

राज्यपाल ने माइकल जॉन ऑडिटोरियम में 13वें हस्तकरघा दिवस का किया उद्घाटन

राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बुनकरों को किया सम्मानित

मेट्रो रेज

रांची/ जमशेदपुर: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज माईकल जॉन सभागार, टाटानगर, जमशेदपुर में 'राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस' के अवसर पर विवर्स डेवलपमेंट एण्ड रिसर्च ऑर्गेनाईजेशन (डब्ल्यूडीआरओ) द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस उन लाखों बुनकरों के श्रम, कौशल एवं सृजनशीलता को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने सदियों से भारत की सांस्कृतिक पहचान को अपने हाथों से बुना है। उन्होंने कहा कि हस्तकरघा केवल वस्त्र निर्माण का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, परंपरा एवं आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस के अवसर पर यह स्मरण करना भी प्रासंगिक है कि वर्ष 1942 में प्रारम्भ हुए भारत छोड़ो आंदोलन ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा प्रदान की थी। उस दौर में चरखा, खादी और हस्तकरघा केवल वस्त्र निर्माण के साधन नहीं थे, बल्कि स्वदेशी, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान के सशक्त प्रतीक बन गए थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने खादी एवं स्वदेशी को जन-आंदोलन का स्वरूप देकर देशवासियों में आत्मनिर्भरता और आत्मगौरव की भावना का संचार किया।

राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड की जनजातीय एवं ग्रामीण परंपराओं में हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प की समृद्ध विरासत विद्यमान है। राज्य का तसर रेशम अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, नवाचार, डिजाइन, विपणन तथा डिजिटल माध्यमों से जोड़कर बुनकरों के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जाना समय की आवश्यकता है।राज्यपाल महोदय ने अपने सार्वजनिक जीवन के अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें बुनकर समाज के बीच जाकर उनकी समस्याओं को निकट से समझने तथा केन्द्र सरकार में वस्त्र मंत्री के रूप में कार्य करते हुए उनके हितों के लिए कार्य करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस मनाने की पहल प्रारंभ हुई, जिसका उद्देश्य देश के बुनकरों के श्रम, कौशल एवं योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देना तथा हस्तकरघा क्षेत्र को नई पहचान प्रदान करना था।राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'वोकल फॉर लोकल', 'आत्मनिर्भर भारत' तथा 'पीएम विश्वकर्मा योजना' जैसी अनेक पहलों के माध्यम से बुनकरों, शिल्पकारों एवं पारंपरिक कारीगरों को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक कला एवं हस्तशिल्प केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत ही नहीं, बल्कि विकसित भारत की आर्थिक शक्ति भी बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि हस्तकरघा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए डिजाइन नवाचार, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, ब्रांडिंग, कौशल उन्नयन तथा युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शैक्षणिक संस्थान, उद्योग जगत, स्वयंसेवी संगठन एवं सरकार के संयुक्त प्रयासों से हस्तकरघा उद्योग को नई गति मिलेगी तथा विशेष रूप से महिलाओं एवं ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार एवं आत्मनिर्भरता के नए अवसर सृजित होंगे।

राज्यपाल ने सभी नागरिकों से हस्तकरघा उत्पादों को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि जब हम हस्तकरघा से निर्मित कोई उत्पाद खरीदते हैं, तब हम केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि एक बुनकर परिवार की आजीविका को सशक्त करते हैं तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को मजबूत बनाते हैं।

उक्त अवसर पर राज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बुनकरों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री से मिला राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति का प्रतिनिधिमंडल

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में आज मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संयोजक बैंक, बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक गुरू प्रसाद गोंड, सहायक महाप्रबंधक क्षितिज, रौशन चौधरी एवं प्रशांत कुमार शामिल थे। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को 96वीं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति बैठक (जून 2026) की स्मारिका पुस्तिका भेंट की।

जेपीएससी- जेएसएससी आंदोलन

अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे छात्रों को कल भोजन करायेगा केन्द्रीय सरना समिति

मेट्रो रेज

रांची: केन्द्रीय सरना समिति की विशेष बैठक सरहुल शोभा यात्रा उदगम स्थल सरना टोली हतमा में हुई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने की। इस बैठक में झारखण्ड के प्रमुख ज्वलंत मुद्दा जेपीएससी, जेएसएससी,सीजीएल,पेपर लीक, भ्रष्टाचार के तहत नियुक्ति पत्र वितरण करने के विरोध में केन्द्रीय सरना समिति ने आक्रोश व्यक्त किया। बबलू मुंडा ने हेमंत सोरेन सरकार से सीबीआई से जांच करा कर दोषियों के ऊपर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। केन्द्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि आठ अगस्त दिन शनिवार को अनिश्चित कालीन धरना में बैठे छात्रों को भोजन देने का निर्णय ली गई। 9 अगस्त दिन रविवार को झारखण्ड सरकार द्वारा आदिवासी महोत्सव धूम-धाम से बनाने का निर्णय लिया है उसका केन्द्रीय सरना समिति समिति विरोध करेगी क्योंकि एक तरफ आदिवासियों का नगड़ी में रिम्स 2 के नाम पर सैकड़ों एक-ड़ खेती योग्य जमीन को अधिग्रहण कर बेघर करने का काम किया तथा उनका पहचान अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचला गया, इसके विरोध में विभिन्न संगठनों द्वारा आक्रोश महा जनसभा सम्मलित होंगे। दस अगस्त दिन सोमवार अनिश्चित कालीन छात्रों द्वारा अपनी मांगों को लेकर विधानसभा घेराव कार्यक्रम में केंद्रीय सरना समिति प्रत्यक्ष रूप से समर्थन करने का निर्णय लिया है। इस बैठक में मुख्य रूप से मुख्य पाहन जगलाल पाहन, केन्द्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा, प्रधान महासचिव अशोक मुंडा, महासचिव महादेव टोप्पो, कार्यकारी अध्यक्ष शोभा कच्छप, कोषाध्यक्ष जगन्नाथ तिर्की, संदीप उरांव, आशीष मुंडा, अनीता गाड़ी, प्रदीप लकड़ा, उदय उरांव, मनीष बेदिया व अन्य उपस्थित थे।

जनगणना में कुड़मी धर्म व कुड़माली भाषा को अलग कोड देने की मांग

सांसदों व आदिवासी कुड़मी समाज का प्रतिनिधि मंडल देश के रजिस्ट्रार जनरल व जनगणना आयुक्त से मिला

मेट्रो रेज

रांची: आगामी जनगणना-2026 में कुड़मी/सरना-कुड़मी धर्म को पृथक धर्म कोड तथा कुड़मी/कुड़माली को पृथक मातृभाषा/भाषा कोड प्रदान करने की मांग को लेकर आदिवासी कुड़मी समाज, केंद्रीय समिति का एक प्रतिनिधिमंडल सांसद बिद्युत वरण महतो, सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी व सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो की अगुवाई में नई दिल्ली में भारत के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त (ओआरजीआई) से मिलकर उन्हें एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने ओआरजीआई को इस बात से अवगत कराया कि कुड़मी समाज झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, असम व छत्तीसगढ़ सहित देश के अनेक राज्यों में निवास करने वाला एक विशिष्ट सांस्कृतिक एवं भाषाई समुदाय है। वर्तमान व्यवस्था में अलग कोड उपलब्ध नहीं होने के कारण समुदाय की धार्मिक एवं भाषाई पहचान जनगणना के आंकड़ों में स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं हो पाती, जिससे उनकी वास्तविक जनसांख्यिकीय स्थिति सामने नहीं आती। यह भी कहा गया कि कुड़माली भाषा की अपनी समृद्ध लोक परंपरा, साहित्य, व्याकरण व सांस्कृतिक विरासत है तथा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में इसके अध्ययन की पहल भी की जा चुकी है। इसी प्रकार समुदाय की पारंपरिक आस्था एवं प्रकृति-पूजक धार्मिक परंपरा को भी स्वतंत्र पहचान मिलनी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल इस विषय से भी अवगत कराया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29, 30, 350ए एवं 350बी सहित अन्य संवैधानिक प्रावधान देश की भाषाई व सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण की भावना को सुदृढ़ करते हैं। इसलिए जनगणना में समुदाय की स्व-घोषित धार्मिक व भाषाई पहचान को पृथक रूप से दर्ज करने की व्यवस्था की जानी चाहिए। इस दौरान केंद्र सरकार से आग्रह किया कि जनगणना-2026 के प्रपत्रों एवं दिशा-निदेर्शों में आवश्यक संशोधन कर कुड़मी/सरना-कुड़मी धर्म तथा कुड़मी/कुड़माली के लिए पृथक कोड सुनिश्चित किए जाएं। प्रतिनिधि मंडल में अजीत प्रसाद महतो, शशांक शेखर महतो, कमलेश महतो, कृष्णा पद महतो, प्रेमचंद महतो, आनंद महथा, राधा नाथ महतो व वनमाली महतो शामिल हुए।

जेपीएससी- जेएसएससी आंदोलन

अनशनरत छात्रों से मिले सुनील सिंह पारदर्शी भर्ती व पुनर्परीक्षा की उठाई मांग

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड में जेपीएससी एवं जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली, भ्रष्टाचार और नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितताओं को दूर कर पारदर्शिता की मांग को लेकर लगभग 12, 13 दिनों से रांची के जयपाल सिंह स्टेडियम में धरना पर बैठे छात्रों एवं भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से भाजपा नेता राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह मिले। इस मुलाकात के दरम्यान धरना पर बैठे छात्रों एवं भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ बातचीत की। बातचीत के दरम्यान उन्हें हौसला अफजाई करते हुए अपना समर्थन देने की बात कही। वहीं धरना पर बैठे धरनार्थियों ने झारखंड सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 14वीं टीडीपीएल एजेंसी परीक्षाएं को रद्द कर निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत दोबारा परीक्षा कराने के साथ टीडीपीएल के द्वारा जेपीएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच की मांग की। धरनार्थियों की शिकायत थी, कि राज्य सरकार के किसी भी प्रतिनिधि अभी तक हमलोगों से मिलने तथा सुध लेने के लिए नहीं आई है, कि हमलोग किस हाल में हैं.? उन्होंने कहा कि क्या जब हम लोगों की हालत बिल्कुल दयनीय व खराब हो जायेगा तब हेमंत सरकार हम लोगों से मिलने देखने आएंगे.? कहा कि जब तक, हमारी मांगे पूरी नहीं हो जाती तब तक, हमलोग अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे रहेंगे। वहीं मौके पर पहुंचे सुनील कुमार सिंह ने उनका मनोबल बढ़ाते हुए राज्य सरकार पर छात्रों एवं युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 12,13 दिनों से छात्र-छात्राएं एवं भूख हड़ताल पर बैठे धरणार्थी मूसलाधार बारिश के बीच खुले आसमान के नीचे निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था और अपने भविष्य की सुरक्षा की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। यह राजनीतिक आंदोलन नहीं, बल्कि झारखंड के युवाओं के सम्मान, अधिकार और भविष्य की लड़ाई है। सुनील सिंह ने कहा कि राज्य सरकार आंदोलनरत युवाओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने के बजाय समय बिताने और टाल मटोल की नीति अपना रही है। उन्होंने छात्रों की मांगों को जायज ठहराते हुए कहा कि यदि सरकार गंभीर है तो अब तक झारखंड लोक सेवा आयोग के जिम्मेदार अधिकारियों को पदों से क्यों नहीं हटाया गया?, 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा अब तक रद्द क्यों नहीं की गई.? सीबीआई जांच की प्रक्रिया अब तक क्यों नहीं शुरू की गई.? ऐसे कई मांगे हैं, जिस पर राज्य सरकार को संज्ञान लेने लेते हुए इस पर गंभीरता पूर्वक विचार कर उनकी जायज मांगों को पूरा किया जाना चाहिए। ताकि छात्रों की भविष्य संकट में पढ़ने से बचाया जा सके। श्री सिंह भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्र नाथ महतो के बारे में फैलाए गए भ्रामक की सोनम वांगचूक के आग्रह पर अन्न, जल ग्रहण कर लिया है, जो बिल्कुल गलत है! देवेंद्र नाथ महतो सोनम वांगचूक के आग्रह पर सिर्फ जल ग्रहण किया है, न कि अन्न..! सुनील सिंह ने यह भी कहा कि जब दिल्ली में छात्र आंदोलन के दौरान राहुल गांधी उनके समर्थन में आवाज उठाते थे, तो झारखंड के छात्रों के मामले में वे चुप क्यों.? राहुल गांधी की यह दोहरी नीति देश के छात्र, युवा सब समझ चूके हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पश्चिम, राँची
ई मेल- eedwsd.ranchiwest@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति
सूचना

एतद द्वारा संवेदक M/S Neelanchal Projects and Infrastructure Pvt. Ltd. को सूचित किया जाता है कि जल जीवन मिशन अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पश्चिम, राँची के माण्डर प्रखण्ड में SVS Cluster No.-1B (iii) का कार्य एकरारनामा संख्या– SBD-03/2023-24 दिनांक– 11.04.2023 के द्वारा आपको आवंटित है। एकरारनामा के अनुसार कार्य पूर्ण करने की तिथि– 10.01.2024 थी। कार्य समाप्ति की निर्धारित तिथि से लगभग 02 वर्ष 06 माह से अधिक समय बीत जाने के उपरान्त भी आपके द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। पूर्व में इस कार्यालय के पत्रांक– 2154 दिनांक– 29.07.2026 के द्वारा आपके निदेशित किया गया था कि निर्माण कराये जा रहे SVS Cluster के अधूरे पड़े सभी शेष योजनाओं का निर्माण कार्य अविलम्ब चालू करते हुए शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। परन्तु एकरारनामा में दिये गये पते पर निबंधित डाक से भेजा गया पत्र वापस लौट आया।

अतः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित कार्य के संबंधित सहायक एवं कनीय अभियंता से व्यक्तिगत सम्पर्क स्थापित करते हुए कार्य का क्रियान्वयन कराना सुनिश्चित किया जाए तथा 07 दिनों के अन्दर कार्य में सन्तोषजनक अपेक्षित प्रगति नहीं लायी जाती है तो बाध्य होकर एकरारनामा की सुसंगत कंडिकाओं के अधीन एकरारनामा विखण्डन हेतु आवश्यक कार्रवाई करते हुए जमानत की राशि को जब्त कर ली जाएगी, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेवार होंगे।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
राँची पश्चिम, राँची

PR 386785 Drinking Water and Sanitation (26-27)_D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

साइबर ठगी रोकने के लिए समन्वित प्रयासों की दरकार

डिजिटल भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह है कि आज बैंकिंग, भुगतान, निवेश और सरकारी सेवाएं लोगों की अंगुलियों पर उपलब्ध हैं। लेकिन चिंताजनक तथ्य यह है कि तकनीक की यही सुविधा अब अपराधियों का सबसे बड़ा हथियार भी बनती जा रही है। साइबर ठगी, फर्जी निवेश, ओटीपी धोखाधड़ी और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे अपराधों ने लोगों के भरोसे को गहरी चोट पहुंचाई है। ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) सहित विभिन्न संस्थाओं को दिए गए निर्देश न केवल समायोचित हैं, बल्कि साइबर अपराध से निपटने के लिए समन्वित और सख्त प्रयासों की जरूरत भी बताने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआइ को साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाले खातों के संबंध में चार सप्ताह के भीतर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश दिया है। साथ ही, राज्य सरकारों, जांच एजेंसियों, कानूनी सेवा प्राधिकरणों और अदालतों के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह स्वीकार करना होगा कि साइबर अपराध अब केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है। आज ठग केवल तकनीक का ही नहीं, बल्कि इंसानी मनोविज्ञान का भी शातिर तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं। कभी बैंक अधिकारी बनकर, कभी पुलिस या सीबीआइ के नाम पर और कभी अदालत या सरकारी एजेंसी का भय दिखाकर लोगों को घंटों तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा जाता है। इसके बाद उनकी जीवनभर की कमाई कुछ ही मिनटों में ठग ली जाती है। सबसे बड़ी चुनौती साइबर अपराधों का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप है। कई गिरोह विदेशों से संचालित होते हैं। धन के लेन-देन को छिपाने के लिए देश के भीतर हजारों म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल किया जाता है। संदिग्ध खातों की समय रहते पहचान हो, उन्हें तुरंत फ्रीज किया जाए और बैंकिंग प्रणाली की निगरानी मजबूत की जाए, तो ठगी की बड़ी रकम बचाई जा सकती है। आरबीआइ की एसओपी एक प्रभावी कार्ययोजना होनी चाहिए, जिसका सभी बैंक समान रूप से पालन करें। पुलिस, बैंक, दूरसंचार कंपनियों और साइबर सेल के बीच रियल-टाइम समन्वय भी आवश्यक है। साइबर अपराध की शिकायत दर्ज होने और कार्रवाई शुरू होने के बीच जितनी देरी होगी, अपराधी उतनी ही आसानी से धन को कई खातों में स्थानांतरित कर देंगे। इसलिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाना होगा।

तेजी से बदलती तकनीक के दौर में लोगों को भी डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना होगा। स्कूलों, कॉलेजों, कार्यालयों और गांवों तक साइबर सुरक्षा संबंधी अभियान नियमित रूप से चलाए जाने चाहिए। साइबर ठगी के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार, अदालतों या बैंकों की जिम्मेदारी नहीं है। यह विभिन्न संस्थाओं और नागरिकों की भी साझा जिम्मेदारी है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश महत्वपूर्ण शुरूआत है, लेकिन सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे किस तरह लागू किया जाता है।

परवरिश में एआइ का नहीं, स्पर्श का हो महत्व

हर नई तकनीक सुविधा का वादा करती है, लेकिन इसकी अपनी कीमत होती है। कैलकुलेटर ने गणना की स्वाभाविक क्षमता कुंद की और जीपीएस ने रास्ते याद रखने की आदत। नई चिंता यह खड़ी हो गई है कि कहीं एआइ हमारी परवरिश की सहज मानवीय प्रवृत्ति को ही न हड़पने लगे। क्या कोई अत्याधुनिक एल्गोरिदम एक उदास बच्चे की आंखों में उतर आई नमी पढ़कर उसे वह भरोसा दे सकता है, जो मां के आंचल या पिता के कंधे से मिलता है? क्या कोई चैटबॉट उस क्षण की धड़कन सुन सकता है, जब बच्चा पहली बार अपने माता-पिता को संबोधन देता है। निश्चित ही ये सवाल असहज हैं, लेकिन अब इन्हें टालना संभव नहीं। पैटजीपीटी निमार्ता ओपनएआइ के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने बच्चों के लिए एआइ आधारित 'फैमिली पॉडकास्ट' बनाने का इरादा जाहिर किया है। फैमिली कैलेंडर और बच्चों की रुचियों को एआइ से कनेक्ट करने और इस आधार पर ऑडियो पॉडकास्ट बनाने का यह विचार सुनने में भले भविष्य की आकर्षक तस्वीर लगे, लेकिन उसके भीतर गंभीर चेतावनी का संकेत भी छिपा है। वह यह कि तकनीक अब हमारी जेब और दफ्तर से आगे बढ़कर घर के सबसे संवेदनशील कोनों तक पहुंचना चाहती है, जहां माता-पिता अपने बच्चों का व्यक्तित्व गढ़ते हैं। यदि बच्चों के हर सवाल का उत्तर भी मशीन देगी और उनकी हर उलझन का पहला दरवाजा भी वही बन जाएगी, तो माता-पिता की भूमिका आखिर बचेगी कहां? एआइ शिक्षक, सहायक और जानकारी का स्रोत हो सकता है, उसका विरोध समाधान भी नहीं है। लेकिन जिस दिन हमने इसे भावनात्मक रिश्तों का विकल्प मान लिया, उसी दिन समझ लीजिए कि हमने मनुष्य होने का सबसे मूल्यवान गुण गिरवी रख दिया। वह इसलिए भी क्योंकि बच्चे शब्दों से नहीं, भावों से बड़े होते हैं। उन्हें उत्तरों से अधिक उपस्थिति, एल्गोरिदम से अधिक आलिंगन और स्क्रीन से अधिक स्पर्श चाहिए। परवरिश कोई पहाड़ा नहीं है, जो एआइ रटा देगा। भारतीय संस्कृति में 'मातृ देवो भव, पितृ देवो भव' इस विश्वास की घोषणा है कि बच्चे की पहली पाठशाला मां की गोद है और पहला जीवन-पाठ पिता का व्यवहार। यह इसलिए भी कहा गया है क्योंकि बच्चे का पहला विश्वास, पहला संस्कार और पहला भावनात्मक आश्रय वही है। एआइ ज्ञान दे सकता है, लेकिन विश्वास नहीं। हो सकता है आने वाले वर्षों में एआइ बच्चों के हर सवाल का जवाब देने लगे। लेकिन जिस दिन बच्चे अपने पहले डर, पहली असफलता लेकर मशीन के पास जाने लगेंगे, उस दिन यह तकनीक की जीत नहीं, हमारी हार होगी। इंटरनेट पर ऑल्टमैन को मिला जवाब- 'क्या हो अगर आप सीधे अपने बच्चों से ही बात कर लें?'- सिर्फ एक तंज नहीं, हमारे समय की सबसे जरूरी चेतावनी है। एआइ का सबसे बड़ा खतरा यह नहीं कि वह मनुष्य से आगे निकल जाएगा, बल्कि यह है कि सुविधा की तलाश में कहीं हम स्वयं कम मानवीय न हो जाएं।

सामुदायिक भागीदारी व नीतिगत इच्छाशक्ति से कैंसर पर अंकुश

कैंसर तेजी से बढ़ती वैश्विक चुनौती है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या बीमारी नहीं बल्कि इलाज में मौजूद असमानता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए कैंसर अक्सर गरीबी का कारण बन जाता है। भारत में तंबाकू नियंत्रण, समय पर स्क्रीनिंग, एचपीवी टीकाकरण, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का विस्तार कैंसर से होने वाली मौतों और आर्थिक बोझ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बीमारी से लड़ने के लिए सरकार, समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था के साझा प्रयास जरूरी हैं।

हरचंद राम

विश्व स्वास्थ्य संगठन की हाल ही में जारी ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन कैंसर 2026- द फ्यूचर वी चूज टुगेदर एक चेतावनी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट के अनुसार हर पांचवां व्यक्ति अपने जीवनकाल में कैंसर का सामना करेगा और यदि परिवार के सदस्यों को भी जोड़ लिया जाए तो दुनिया की करीब 92 प्रतिशत आबादी किसी न किसी रूप में इस बीमारी से प्रभावित होगी।

वर्ष 2024 में विश्वभर में करीब 2.06 करोड़ नए कैंसर के मामले दर्ज किए गए और यह आंकड़ा 2050 तक बढ़कर हर साल 3.5 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। पुरुषों में फेफड़ों का कैंसर (16 लाख मामले) और प्रोस्टेट कैंसर (15 लाख मामले) सबसे अधिक पाए गए। वहीं महिलाओं में स्तन कैंसर (24 लाख मामले) और फेफड़ों का कैंसर (10 लाख मामले) प्रमुख रहे। इसके अलावा कोलोरेक्टल (आंत) कैंसर भी दोनों लिंगों को प्रभावित करने वाले बड़े संकट के रूप में सामने आया है।

लेकिन इन आंकड़ों से भी बड़ी चिंता यह है कि कैंसर से बचने की संभावना अब केवल बीमारी की प्रकृति से तय नहीं हो रही, बल्कि व्यक्ति के भौगोलिक क्षेत्र, पर्यावरणीय परिस्थितियों और आर्थिक स्थिति पर भी निर्भर हो रही है। रिपोर्ट बताती है कि विकसित देशों में कैंसर का पता लगने के बाद पांच साल तक जीवित रहने की दर सबसे कम विकसित देशों की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत अधिक है। यानी एक ही बीमारी, लेकिन जीवन की संभावना भूगोल और आर्थिक क्षमता से प्रभावित हो रही है। यही असमानता कैंसर की सबसे बड़ी त्रासदी बन चुकी है।

इलाज मौजूद, लेकिन पहुंच अब भी चुनौतीः रिपोर्ट में शामिल एक भारतीय स्वास्थ्यकर्मी का अनुभव इस हकीकत को सामने लाता है। किशोरावस्था में कैंसर से जूझ रही एक लडकी के बारे में वे लिखते हैं कि उसने इलाज नहीं छोड़ा, बल्कि सच यह है कि इलाज ने कई मायनों में उसे छोड़ दिया। यह स्थिति भारत सहित दुनिया के अनेक निम्न और मध्यम आय वाले देशों की वास्तविकता है, जहां इलाज की सुविधा तो उपलब्ध है, लेकिन वह हर व्यक्ति की पहुंच में नहीं है।

आर्थिक बोझ की तस्वीर भी उतनी ही चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में करीब आधे कैंसर मरीज और उनके परिवार इलाज के दौरान विनाशकारी स्वास्थ्य खर्च की चपेट में आते हैं। वर्ष 2020 से 2050 के बीच कैंसर का कुल आर्थिक बोझ वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद पर लगभग 0.55 प्रतिशत के वार्षिक कर के बराबर रहने का अनुमान है। दुनिया के केवल 28 प्रतिशत देशों ने अपनी सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज योजनाओं में कैंसर देखभाल का न्यूनतम पैकेज शामिल किया है।

एक बीमारी, और परिवार गरीबी में

कैंसर का आर्थिक प्रभाव सभी वर्गों पर समान नहीं पड़ता। प्रोफेसर अनिरुद्ध कृष्णा के शोध से निकली बात भारत में बार-बार सच साबित होती है, एक बीमारी, और परिवार गरीबी में। आर्थिक रूप से कमजोर, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति परिवारों के लिए यह संकट और गहरा है। ऐसे परिवारों की आजीविका अक्सर किसी सदस्य की शारीरिक श्रम क्षमता पर निर्भर होती है। चाहे वह खेत-मजदूरी हो, निर्माण कार्य या दिहाड़ी का कोई अन्य काम।

जब कमाने वाला सदस्य इलाज के कारण काम करने में असमर्थ हो जाता है, तो परिवार की आय रुक जाती है और इलाज का खर्च बढ़ जाता है। नतीजतन जमीन गिरवी रखना, गहने बेचना या साहूकारों से कर्ज लेना आम हो जाता है। जिन परिवारों के पास बीमा, संपत्ति या नियमित आय का सहारा होता है, वे इस झटके को कुछ हद तक झेल लेते हैं, लेकिन कमजोर परिवारों के लिए कैंसर अक्सर आर्थिक तबाही की शुरूआत बन जाता है।

भारत के लिए सबक और उम्मीदः डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट भारत के लिए चुनौती के साथ उम्मीद भी लेकर आई है। रिपोर्ट में कर्नाटक की आयुष्मान भारत आरोग्य योजना का उदाहरण दिया गया है, जहां राज्य स्वास्थ्य योजना के तहत कैंसर इलाज की सुविधाओं का विस्तार किया गया और करीब 60,000 नई मंजूरियों के जरिए मरीजों को उपचार तक पहुंच मिली। वहीं केरल में तंबाकू और गुटखा सेवन से जुड़े मुंह के कैंसर पर हुए शोध ने दिखाया कि सामान्य स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा किया गया सरल दृश्य परीक्षण भी कैंसर से होने वाली मौतों को कम कर सकता है। यह मॉडल राजस्थान जैसे राज्यों के लिए महत्वपूर्ण है, जहां तंबाकू और गुटखा सेवन मुंह के कैंसर का बड़ा कारर बना हुआ है।

महिलाओं में बढ़ता स्तन और सर्वाइकल कैंसर संकटः भारत में महिलाओं के बीच स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौती बन रहे हैं। बीमारी की देर से पहचान, जागरूकता की कमी और आर्थिक संसाधनों का अभाव निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के देशों के लिए बड़ी समस्या है। राष्ट्रीय परिवार और स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) के अनुसार भारत में स्तन और सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग कराने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। स्तन कैंसर स्क्रीनिंग कराने वाली महिलाओं का अनुपात 0.9 प्रतिशत और सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग कराने वाली महिलाओं का अनुपात 1.9 प्रतिशत था। वहीं सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए भारत में करीब 52.10 लाख एचपीवी टीके लगाए जा चुके हैं। वैश्विक स्तर पर एचपीवी टीकाकरण को वर्ष 2030 तक 90 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। रोकथाम ही सबसे प्रभावी रणनीतिः डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट का शीर्षक द फ्यूचर वी चूज टुगेदर यानी वह भविष्य जो हम मिलकर चुनते हैं अपने आप में संदेश देता है कि कैंसर की चुनौती को केवल चिकित्सा से नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। भारत के लिए सबसे पहली प्राथमिकता तंबाकू और गुटखा नियंत्रण कानूनों का सख्ती से पालन होना चाहिए। तंबाकू मुंह और गले के कैंसर का प्रमुख कारण है। वैश्विक स्तर पर तंबाकूनियंत्रण नीतियों के कारण 2010 के बाद से इसके सेवन में करीब 27 प्रतिशत की कमी आई है। इसके अलावा फेफड़े, प्रोस्टेट, स्तन और कोलोरेक्टल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और शुरूआती पहचान की व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत है। समय पर निदान होने पर इलाज अधिक प्रभावी और कम खर्चीला हो सकता है।

स्क्रीनिंग, टीकाकरण और संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था जरूरीः भारत में बेटियों के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान को स्कूलों और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से और तेज करने की आवश्यकता है। साथ ही, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप-केंद्रों पर सामान्य स्क्रीनिंग व्यवस्था मजबूत करनी होगी। कैंसर की शुरूआती जांच के लिए मोबाइल स्वास्थ्य वैन, जिनमें अल्ट्रासाउंड, मेमोग्राफी और अन्य जरूरी जांच सुविधाएं उपलब्ध हों, दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंचाने की जरूरत है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के अंतर्गत कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और पैलिएटिव केयर की सुविधाओं का विस्तार भी जरूरी है, ताकि परिवार इलाज के खर्च के बोझ तले न दबें।

साझा प्रयासों से ही बदलेगा भविष्यः कैंसर की लड़ाई केवल अस्पतालों तक सीमित नहीं है। मरीजों और परिवारों के प्रति संवेदनशीलता, भावनात्मक सहयोग और सामाजिक समर्थन भी उतना ही जरूरी है। तंबाकू नियंत्रण से लेकर टीकाकरण, स्क्रीनिंग और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक हर क्षेत्र में प्रमाण मौजूद हैं कि प्रगति संभव है। जरूरत केवल इस बात की है कि इन उपायों को भारत के हर गांव और कस्बे तक समय पर पहुंचाया जाए। कैंसर से लड़ाई में सबसे बड़ी चुनौती बीमारी नहीं, बल्कि वह असमानता है जो किसी व्यक्ति के इलाज और जीवन की संभावना को उसकी आर्थिक स्थिति और स्थान से तय करती है। यही असमानता दूर करना भविष्य की सबसे बड़ी स्वास्थ्य प्राथमिकता होनी चाहिए।

तीनों सेनाओं के बीच रणनीतिक समन्वय बढ़ाने की पहल

एकीकृत थिएटर कमांड भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर युद्ध के समय त्वरित निर्णय लेने में मदद करेगी। यह व्यवस्था संसाधनों के प्रभावी उपयोग के साथ चीन, पाकिस्तान और समुद्री सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटने की भारत की क्षमता को और मजबूत बनाएगी।

एनके सोमानी

देश की उत्तरी व पश्चिमी सीमा पर चीन और पाकिस्तान की चुनौतियों से निपटने व हिंद महासागर में भारत के प्रभुत्व को बढ़ाने के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार ने देश के सशस्त्र बलों की सैन्य दक्षता बढ़ाने, रक्षा संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने और युद्ध के समय त्वरित निर्णय लेने के लिए एकीकृत थिएटर कमांड (आइटीसी) के गठन का निर्णय लिया है। आइटीसी के गठन का मुख्य उद्देश्य आधुनिक युद्ध प्रणाली में तीनों बलों अर्थात सेना, नौसेना तथा वायु सेना के बीच रणनीतिक समन्वय बढ़ाना है। इस व्यवस्था के तहत एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में सशस्त्र बलों के सभी संसाधन एक ही कमांडर के अधीन रखने की व्यवस्था की जाएगी ताकि जरूरत पड? पर तीनों सेनाएं एक साथ मिलकर मोर्चा ले सकें। इससे न केवल दुश्मन को समय रहते मुंह तोड़ जवाब दिया जा सकेगा बल्कि संसाधनों का दोहराव रुकेगा और युद्ध के मोर्चे पर हमारी प्रभावशीलता बढ़ेगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की ओर से कमांड के गठन का अंतिम प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को सौंपा जा चुका है और केबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद इसे औपचारिक रूप से लागू कर दिया जाएगा। आइटीसी के तहत तीनों सेनाओं की टुकड़ी एक ही कमांडर के अधीन होगें के कारण युद्ध व अन्य आपात स्थिति में अलग-अलग बलों से मंजूरी लेने में लगने वाला समय बचता है, जिससे रणनीतिक फैसले बहुत तेजी से लिए जा सकते हैं। कमांड के एकीकरण के बाद युद्ध व आक्रमण के समय तीनों सेनाओं के कमांडो आवश्यकता पड़ने पर एयर स्ट्राइक और जमीनी कार्रवाई को एक साथ अंजाम दे सकेंगे और दुश्मन पर प्रभावी ढंग से हमला कर सकेंगे। यही कारण है कि साइबर, अंतरिक्ष और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसे आधुनिक और बहु-डोमेन खतरों से निपटने में 'एकीकृत कमान' सबसे सक्षम प्रणाली कही जाती है। वैश्विक स्तर पर थिएटर कमांड के गठन के इतिहास की बात की जाए तो एकीकृत थिएटर कमांड की अवधारणा का विचार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमरीकी सैन्य नेतृत्व और रणनीतिकारों द्वारा दिया गया था ताकि युद्ध के विभिन्न मोर्चों पर सेना, नौसेना और वायु सेना के बीच बेहतर तालमेल बिठाया जा सके। अमेरिका ने 'यूनिफाइट कॉमबेटमेंट कमांड' का गठन किया। इसका सबसे प्रमुख और ऐतिहासिक उपयोग 1991 में खाड़ी युद्ध और बाद में इराक व अफगानिस्तान अभियानों में किया गया। वहीं फ्रांस सरकार ने सेना के एकीकृत अभियानों के संचालन के लिए 1992 में 'कमांडमेंट डेस ऑपरेशन स्पेशल' की स्थापना की। रूस दुनिया का तीसरा ऐसा देश बना जिसने 2010 से 2014 के बीच (दो चरणों में) एकीकृत थिएटर कमांड का गठन किया। इस कड़ी में अप्रेल 2012 में ब्रिटेन का नाम भी जुड़ गया। हालांकि ब्रिटेन अपने सशस्त्र बलों ने संयुक्त अभियानों को एकीकृत करने के लिए अप्रेल 1996 में पहला स्थायी संयुक्त मुख्यालय बना चुका था। लेकिन 'ज्वांइट फोर्सेज कमांड' का निर्माण 2012 में ही किया गया। चीन ने वर्ष 2016 में व्यापक सैन्य सुधारों को लागू करते हुए 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' को 5 थिएटर कमांड में पुनर्गठित किया है। इसमें से एक 'वेस्टर्न थिएटर कमांड' भारत से लगने वाली सीमाओं को नियंत्रित करती है। जहां तक भारत का सवाल है तो भारत में 'एकीकृत थिएटर कमांड' का विचार सबसे पहले 1999 के कारगिल युद्ध के बाद आया था। भारत में सेना, नौसेना तथा वायु सेना को एकीकृत युद्ध प्रणाली में पुनर्गठित करने की शुरूआत कारगिल समीक्षा समिति (1999) और नरेश चंद्र समिति (2012) की सिफारिशों के आधार पर की गई थी। इस दिशा में पहला ठोस कदम उठाते हुए अक्टूबर 2001 में पोर्ट ब्लेयर में देश की पहली त्रि-सेवा 'अंडमान और निकोबार कमान' का गठन किया गया और बाद में शेकातकर समिति (2016) की सिफारिशों के आधार पर भारत ने अपसी सैन्य ताकत को और अधिक सुदृढ़ और एकीकृत करने के लिए विधिवत रूप से तीन एकीकृत थिएटर कमांड नॉर्दर्न (उत्तरी), वेस्टर्न (पश्चिमी) और मैरीटाइम (समुद्री) अर्थात दक्षिणी थिएटर कमांड बनाने की योजना बनाई। उत्तरी थिएटर कमांड चीन से सटी सीमा (एलएसी) की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगा।

प्रभावी संवाद कौशल

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

संसार में जन्म लेते ही, जैसे ही हम अपनी प्रथम श्वास लेते हैं, हम संवाद करना आरंभ कर देते हैं। हमारा पहला क्रंदन अपनी मां और इस दुनिया से हमारे प्रथम संवाद का द्योतक है कि मैं आ गया हूं। और अपसी अंतिम सांस तक हम निरंतर संवाद करते रहते हैं। तथापि, अच्छे स्तर का संवाद केवल शब्दों से कहीं ऊपर होता है।

यह एक कला है और प्रभावी संवाद के लिए, केवल बोले गए शब्द की जगह बहुत से अन्य आयाम होते हैं। एक दूसरे के साथ प्रभावशाली ढंग से संवाद स्थापित करना एक ग्रहण करने योग्य कुशलता है। इसलिए संवेदनशील और समझदार बनो। संवाद एक वार्तालाप है, न कि एकालाप। जिन व्यक्तियों से हम संवाद कर रहे हैं, हमें उनके दृष्टिकोण का सम्मान करना चाहिए। प्रभावी संवाद के लिए संवेदनशीलता तथा समझदारी, दोनों गुणों में निपुणता आवश्यक है। कुछ लोग अति संवेदनशील होते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप वे अपनी बुद्धिमता खो देते हैं। उनकी वाणी में अस्पष्टता होती है और उसमें अस्फुटता झलकती है। इसमें आपकी मनःस्थिति का भी योगदान है। आप केवल क्रोध कर के किसी को सुधार नहीं सकते। इससे केवल आपके मन की शांति ही भंग होगी। जब आप लोगों से मिलते हो तो प्रायः आप उनसे बुद्धि के स्तर पर ही संवाद करते हो। यही, जब आप प्रकृति के साथ होते हो तो आप स्वतः ही गाना आरंभ कर देते हो तथा प्रकृति के साथ अपने दिल से संवाद स्थापित कर लेते हो। जब आप लोगों के साथ होते हो तो बुद्धि के स्तर पर ही बातचीत अथवा गपशप ही करते रहते हो। किंतु आप यदि प्रकृति के संग हो तो आप गुनगुनाने लगते हो और आपका संवाद दिल से निकलता है। और जब आप गुरु के सान्निध्य में होते हो तो आप खाली हो जाते हो, सभी प्रश्न भूल जाते हो! तब उस मौन में आत्मा के स्तर पर संवाद होता है। संवाद में सजगता का महत्त्व- जब भी आप लोगों से मिलते हो तो आपका ध्यान केवल बुद्धि पर ही केंद्रित रहता है और ऐसे में आप लोगों के साथ गाते नहीं हो, आपका अहंकार आपको गाने से रोक रहा होता है। बहुत से व्यक्ति लोगों के समूह में गाने को लेकर असहज होते हैं। क्योंकि जब आप लोगों के बीच गाते हो तो आप दिल अथवा भावना के स्तर तक उतर आते हो।

आपके पत्र

हर मां को मिले सहयोग, हर शिशु को मिले पोषण

शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी माताओं, परिवारों, स्वास्थ्यकर्मियों और नीति-निमार्ताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्रत्येक शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरूआत दिलाना है।

इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ के साथ ही साथ वर्ल्ड अलायंस फोर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन का व्यापक समर्थन प्राप्त है। इस सप्ताह को मनाने की शुरूआत 1992 में वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के साथ मिलकर की थी। हर मां को सहयोग और हर शिशु को पोषण मिलना ही चाहिए।

एसएस चौधरी, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

पौधारोपण कर स्कूल प्रभारी ने दिया हरियाली का संदेश, बच्चों को पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ

डोमचांच : डोमचांच प्रखंड अंतर्गत महेशपुर स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में विद्यालय प्रभारी शिव शंकर रजक के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा छात्रों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया गया। प्रभारी शिव शंकर रजक ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अपने घर और आसपास भी पौधे लगाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया और पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम और संरक्षण की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महेशपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय का भवन जर्जर, हादसे को दे रहा निमंत्रण

डोमचांच (कोडरमा) : डोमचांच नगर पंचायत क्षेत्र के महेशपुर स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय का जर्जर भवन कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। भवन की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि उसकी दीवारों और छत से मलबा गिरने का खतरा बना रहता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसी जर्जर भवन के प्रांगण में विद्यालय के छात्र-छात्राएं प्रतिदिन मध्यान्ह भोजन ग्रहण करते हैं, जिससे किसी भी समय अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। विद्यालय प्रभारी शिवशंकर रजक ने बताया कि पूर्व में तत्कालीन उपायुक्त ऋतुराज एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर जर्जर भवन को ध्वस्त कराने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भवन लगातार जर्जर होता जा रहा है और बच्चों की सुरक्षा को लेकर विद्यालय परिवार चिंतित है। स्कूल प्रभारी ने वर्तमान उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता से अविलंब जर्जर भवन को तोड़वाने और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों का भी कहना है कि किसी बड़े हादसे के बाद कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन को समय रहते कदम उठाना चाहिए, ताकि मासूम बच्चों की जान सुरक्षित रह सके।

निशा कुमारी की संदेहास्पद मौत मामले में पुलिस ने पति और देवर को किया गिरफ्तार

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के काली स्थान के समीप निवासी निशा कुमारी 25 वर्ष की संदेहास्पद मौत मामले में पुलिस ने पति सुमित कुमार पाठक व देवर मुन्ना पाठक को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि निशा कुमारी की मौत के मामले में पिता संजय मिश्रा द्वारा षड्यंत्र के तहत हत्या करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिक की दर्ज करवाया था पुलिस ने मामले की छानबीन करते हुए पति सुमित पाठक और भाई मुन्ना पाठक को गिरफ्तार किया और पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

चोरी करने के मामले में एक गिरफ्तार

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के गोराबाड़ी हटिया निवासी मनीष कुमार को नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि नगर क्षेत्र में बीते दिनों पहले एक चोरी की घटना घटित हुई थी पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए अनुसंधान में जुट गए और अनुसंधान के क्रम में चोरी करने के मामले में मनीष कुमार को गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के बाद जेल भेज दिया।

हजारीबाग खास महाल लीजधारकों के लिए 15 अगस्त तक आवेदन जमा करना अनिवार्य

हजारीबाग : हजारीबाग खास महाल प्रकोष्ठ ने जिले के सभी खास महाल लीजधारियों और उनके वैध उत्तराधिकारियों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। प्रशासनिक आदेश के तहत तय समय-सीमा के भीतर सभी लंबित मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। हजारीबाग खास महाल क्षेत्र की लीज भूमि का नवीकरण प्रत्येक 30 वर्ष के लिए किया जाता है। जिले में अधिकांश लीजधारियों की लीज अवधि 31 मार्च 2008 को ही समाप्त हो चुकी है। सभी लीजधारको को लिए लंबित लीज अवधि कार्यों के लिए 15 अगस्त 2026 तक आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है ताकि लीज नवीकरण, नामांतरण, उत्तराधिकारी नामांतरण, हस्तांतरण, प्रयोजन परिवर्तन, बंदोबस्ती और वंशावली से जुड़े मामले तय किये जा सके।

मार्खम कॉलेज के सेवानिवृत्त शिक्षकों का हुआ सम्मान, शिक्षक संघ ने दी विदाई

हजारीबाग : मार्खम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, हजारीबाग के शिक्षक संघ के तत्वावधान में स्थानीय कैनरी इन होटल में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कॉलेज के सेवानिवृत्त पूर्व प्राचार्य डॉ एस एम कैसर, सेवानिवृत्त इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ श्याम किशोर सिंह तथा सेवानिवृत्त समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिंह को उनके दीर्घकालीन शैक्षणिक एवं प्रशासनिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो गजेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति केवल सेवा का समापन नहीं, बल्कि समाज और शिक्षा के क्षेत्र में एक नई भूमिका की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि डॉ एस एम कैसर, डॉ श्याम किशोर सिंह तथा डॉ सुशील कुमार सिंह ने अपने कार्यकाल में महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन और संस्थागत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ विनय कुमार बैठा ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान उसके समर्पित शिक्षकों से होती है। उन्होंने कहा कि आज जिन शिक्षकों को सम्मानित किया गया है।

उप विकास आयुक्त ने जिला समाज कल्याण विभाग की योजनाओं आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की समीक्षा

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त साहिबगंज के निदेशानुसार उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला समाज कल्याण विभाग के कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के आधारभूत सुविधाओं, पोषण ट्रैकर ऐप के आंकड़ों, रिक्त पदों, मानदेय भुगतान एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के 702 आंगनबाड़ी केंद्रों का सीओ लोकेशन सर्वेक्षण सत्यापित किया गया, जिनमें 348 केंद्र विद्यालय परिसर में संचालित पाए गए तथा 70 केंद्रों के हेतु कमरे उपलब्ध हैं। अब तक 34 आंगनबाड़ी केंद्र पूर्ण रूप से विद्यालयों में स्थानांतरित किए जा चुके हैं। शेष केंद्रों के स्थानांतरण के लिए आवश्यक मरम्मत एवं अन्य प्रक्रियाएं नियमानुसार प्रगति पर हैं।बैठक में पोषण ट्रैकर के आधार पर किराये के भवनों में संचालित 533 आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा में 74 केंद्रों में विद्युत, 24 में पेयजल, 38 में रसोईघर तथा 54 केंद्रों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं पाई गई। उप विकास आयुक्त ने संबंधित

अधिकारियों को सभी आवश्यक सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने, नियमित अनुश्रवण करने तथा गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।किराये के भवनों के आंकड़ों की समीक्षा में परियोजना अभिलेखों में 569 भवन तथा पोषण ट्रैकर ऐप में 595 भवन दर्ज पाए गए, जिससे 26 भवनों का अंतर सामने आया। संबंधित प्रखंडों को आंकड़ों का सत्यापन कर वास्तविक स्थिति के अनुरूप आवश्यक सुधार करने का निर्देश दिया गया।

आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय उपलब्धता की समीक्षा के दौरान परियोजना प्रतिवेदन एवं पोषण ट्रैकर ऐप के आंकड़ों में 141 केंद्रों का अंतर पाया गया। संबंधित परियोजनाओं को अभिलेखों का सत्यापन कर पोषण ट्रैकर ऐप में आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।बैठक में सेविका एवं सहायिका के रिक्त पदों की भी समीक्षा की गई। परियोजना प्रतिवेदन के अनुसार 46 सेविका एवं 76 सहायिका के पद रिक्त हैं, जबकि पोषण ट्रैकर ऐप में क्रमशः 57 एवं 105 पद रिक्त दर्शाए गए हैं। दोनों आंकड़ों में सेविका के 11 तथा सहायिका के 29 पदों का अंतर पाया गया। संबंधित परियोजनाओं को अभिलेखों का मिलान कर त्रुटियों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए।सेविका एवं सहायिका के मानदेय भुगतान हेतु उपस्थिति विवरणी की समीक्षा में पाया गया कि माह जुलाई 2026 की उपस्थिति अधिकांश परियोजनाओं से प्राप्त हो चुकी है, जबकि पतना प्रखंड से केवल जून 2026 की उपस्थिति प्राप्त हुई है। जुलाई माह की उपस्थिति विवरणी पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होने के कारण अतिरिक्त मानदेय का भुगतान लंबित है। संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की समीक्षा में बताया गया कि 05 अगस्त तक जिले ने मासिक लक्ष्य 3,283 के विरुद्ध 3,583 लाभार्थियों का नामांकन कर 109 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। उधवा 143% बरहरवा 139%, बोरियो 132% एवं राजमहल 117% प्रखंडों ने लक्ष्य से अधिक प्रगति दर्ज की। उप विकास आयुक्त ने शेष प्रखंडों को भी शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए-सह- प्रभारी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्री संजय कुमार दास, सभी प्रखंड बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, जिला पर्यवेक्षक सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

श्राद्ध स्थल तक पहुंचने के लिए मंदिर परिसर से होकर गुजरना पड़ता है : संजय

संवाददाता

साहिबगंज/पाकुड़ : शिव शीतला मंदिर स्थित श्राद्ध घाट एवं श्राद्ध स्थल तक अलग पहुँच मार्ग सड़क निर्माण को लेकर शिव शीतला मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में मंदिर समिति के पदाधिकारियों और समाज के गणमान्य लोगों ने इस जनहित व धार्मिक महत्व के विषय पर विस्तार से चर्चा की।बैठक में पाकुड़ जिला कांग्रेस की जिला महासचिव मोनिता कुमारी,अखिल भारतीय वीरांगना सशक्तिकरण परिषद की अध्यक्ष रश्मि सिंह,उपाध्यक्ष लक्ष्मी देवी, ममता अग्रवाल एवं रीना देवी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।मंदिर समिति की ओर से अध्यक्ष संजय टेबरीवाल संजू टेबरीवाल सचिव अनिल गोयल व सदस्य प्रतीक ठाकुर नंदलाल ओझा,अनंत अग्रवाल,अनिल

झा,राजकुमार रजक और सानू झा ने बैठक में भाग लिया।बैठक में श्राद्ध घाट तक श्रद्धालुओं के लिए अलग पहुँच मार्ग के निर्माण पर सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की गई।उपस्थित सदस्यों ने कहा कि वर्तमान में श्रद्धालुओं को श्राद्ध स्थल तक पहुँचने के लिए मंदिर परिसर से होकर गुजरना पड़ता है,जिससे असुविधा होती है तथा धार्मिक दृष्टि से भी यह व्यवस्था उपयुक्त नहीं है। अलग सड़क बनने से श्रद्धालुओं को सीधे श्राद्ध घाट तक पहुँचने की सुविधा मिलेगी,मंदिर की पवित्रता बनी रहेगी और वर्षों पुरानी मांग पूरी हो सकेगी।बैठक में इस जनहित व धार्मिक महत्व के कार्य को शीघ्र शुरू कराने के लिए आवश्यक पहल करने पर भी चर्चा हुई। सभी उपस्थित लोगों ने इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसे जनभावनाओं एवं धार्मिक आस्था से जुड़ा एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम बताया।

हजारीबाग में लगभग एक घंटे तक मूसलाधार बारिश ने बढ़ाई मुश्किलें

संवाददाता

हजारीबाग : शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में पिछले 24 घंटों से जारी मानसूनी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। गुरुवार को 2:30 बजे के बाद 1 घंटे की मूसलाधार बारिश से तापमान का पारा अधिकतम 26 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। बारिश से शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया । जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मुख्य सड़कों पर जलभराव और बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भरने से आवागमन भी बाधित हुआ है। नगर निगम क्षेत्र के कई हिस्सों में नालियों का पानी सड़कों पर आ गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बारिश के साथ लगातार हो रही चमक और आवाज से वज्रपात की घटनाएं हुई। एहतियात के तौर पर कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रखी गई है, जिससे लोगों को वैकल्पिक इंतजाम करने पड़ रहे। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक बारिश का यह सिलसिला यूं ही जारी रहने की संभावना है। तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे थोड़ी ठंडक बढ़ गई है। इस मानसून सीजन जून से अगस्त 2026 तक में में वज्रपात से कुल 3 लोगों की मौत होने की आधिकारिक पुष्टि हुई है। जून के मध्य 18-19 जून 2026 में मानसून की शुरूआती भारी बारिश के दौरान हजारीबाग जिले में 3 लोगों की मौत वज्रपात के कारण हुई थी, जब वे खेतों या खुले स्थानों में काम कर रहे थे। जिले के कटकमसांडी और अन्य प्रखंडों से वज्रपात के कारण कुछ लोगों के घायल होने की खबरें सोशल मीडिया पर आईं, जिनका इलाज में चल रहा है। फिलहाल जिला प्रशासन ने खराब मौसम को देखते हुए नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। विशेष रूप से वज्रपात (आकाशीय बिजली) की संभावना वाले क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। किसानों से अपील की गई है कि वह धान रोपनी के दौरान आकाशीय बिजली से सतर्क रहें। जैसे ही मौसम बिगड़े, वह सुरक्षित ठिकानों की ओर चले जाएं। साथ ही जलभराव से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए अंचल प्रशासन और नगर निगम के आपातकालीन नंबरों पर संपर्क करने को कहा गया है।

झारखंड के विभिन्न जिलों तक पहुंचाने के लिए विशेष रथ रवाना

संवाददाता

साहिबगंज : भाजपा जिला इकाई के नेतृत्व में बुधवार को शिरोमणि गुलाब गुरु रविदास महाराज जी की जन्माष्टमी से लाई गई पावन मिट्टी में भरी कलश का जयंतीग्राम महादेवगंज में साहिबगंज ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल के नेतृत्व मे स्वागत किया गया।इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और श्रद्धालुओं उपस्थित रहे।जानकारी के अनुसार मंगलवार को रांची से आयोजित यह कार्यक्रम से संत गुरु रविदास महाराज जी के जन्मस्थली के पावन मिट्टी को झारखंड के विभिन्न जिलों तक पहुंचाने के लिए विशेष रथ रवाना किया गया था देर रात्रि सदर प्रखंड महादेवगंज में रथ का स्वागत ढोल बजा के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं में भाग लिया और संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के जय घोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।मौके पर राजमहल विधानसभा के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझाजिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव,जिला प्रभारी बाबुल अमृत पांडे,जिला महामंत्री प्रदेश कार्य समिति सदस्य रामानंद साह,कृपानंद मंडल,सलखु सोरेन,जिला उपाध्यक्ष गरिमा साह,रमिता तिवारी,प्रेम कुमार उर्फ मंटा मंडल,संजीव कुमार,बापी निर्मल,दिनेश पांडे,जनार्दन दास, विकास यादव, किरण देवी, सुनीता देवी,निशा देवी, राजेंद्र रविदास, डोमन रविदास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थि रहे।

खुदरा दुकानदारों को ऊंचे दामों पर मिल रहा है खाद

संवाददाता

साहिबगंज : उर्वरक थोक विक्रेता के मनमानी रवैया से प्रताड़ित होकर खुदरा दुकानदारों ने आखिरकार मोर्चा खोल ही दिया है।इस बाबत गुरुवार को बरहरवा कुशवाहा टोला स्थित आरबी पैलेस में साहिबगंज जिले भर के खुदरा खाद दुकानदारों की आवश्यक बैठक आयोजित कर जिला कमेटी का गठन किया है।जिसमें सम्मति से अध्यक्ष बबलू कुमार साह,उपाध्यक्ष मोहम्मद फरीद, सचिव संजय भगत,उप सचिव ललन राम,कोषाध्यक्ष मनोहर राय,मीडिया प्रभारी देवाशिष सिंह एवं राजकिशोर मंडल को चुना गया।बता दे कि बीते दिन पाकुड़

विधायक निसात आलम के पति सह पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को खुदरा दुकानदारों ने आरोप लगाते हुए बताया कि जिले के मुख्य थोक विक्रेता के द्वारा सरकार द्वारा तय थोक दरों का उल्लंघन कर खुदरा दुकानदारों को बहुत ऊँचे दामों पर खाद देने जो एमआरपी के करीब या उससे अधिक है,साथ ही थोक विक्रेता के द्वारा जबरन गैर जरूरी उत्पाद लेने पर मजबुर करने का आरोप लगाया है।जिसके कारण खुदरा दुकानदार तय मूल्य पर किसानों को खाद नहीं उपलब्ध करा पाने अक्षम साबित हो रहा है।साथ ही उन्होंने मांग किया है कि थोक विक्रेताओं के स्टॉक और बिक्री मूल्य की जाँच करने।खुदरा विक्रेताओं को सरकारी तय थोक रेट पर ही खाद की आपूर्ति कराने खाद के साथ किसी भी अन्य सामग्री की जबरन टैगिंग पर रोक लगाने हेतु गुहार भी लगाया है। मौके पर मुख्य रूप से लोकमान हकीम,संदीप गुप्ता,श्रीकांत पंडित, मुन्ना कुमार साह,मोहम्मद दानिश, विक्रम गुप्ता,मनीष कुमार साह, धीरज मोदी,बबलू प्रसाद गुप्ता, आनंद भगत सहित कई खुदरा खाद विक्रेता मौजूद रहे।

ओबीसी समुदाय के चयन प्रक्रिया में अनियमितता बरती गई : पिंकी साहा

संवाददाता

साहिबगंज : उधवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आतापुर पंचायत पोषक क्षेत्र संख्या 802 नवपाड़ा में आंगनबाड़ी सेविका पद पर चयन के क्रम में शैक्षणिक योग्यता के अंकों एवं जाति बाहुल्यता सर्वेक्षण कार्य में हेराफेरी सहित भारी अनियमितता एवं मनमानी करने के मामले में पीड़िता महिला पिंकी साहा पति स्व. राजेश प्रसाद गुप्ता ने गुरुवार को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी समेत उपायुक्त को लिखित आवेदन देते हुए जांच कार्य पूरी होने तक चयन प्रकिया पर पूरी तरह से रोक लगाने की मांग की है। जहां दिए गए आवेदन पत्र में पीड़िता महिला ने जिक्र किया है कि आतापुर पंचायत पोषक क्षेत्र संख्या 802 नवपाड़ा में ओबीसी समुदाय की संख्या अधिक होने के बाद भी चयन प्रक्रिया में अनियमितता बरती गई है। आगे उन्होंने कहा कि अभी प्रभारी बाल विकास योजना पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी उधवा जयंत कुमार तिवारी के द्वारा जिस महिला अभ्यर्थी का चुनाव किया गया है वो इंटर कंपार्टमेंटल की परीक्षा से उत्तीर्ण हैं और उसे 3 अंक के जगह 7 अंक देकर चयन कर दिया गया है जबकि पीड़िता महिला इंटर फाइनल ईयर से उत्तीर्ण हैं।आगे उन्होंने आरोप लगाया कि जिस अभ्यर्थी का अभी सेविका पद पर चयन किया गया है उसके पिता वार्ड सदस्य एवं दुसरे संबंधी पारा शिक्षक है जहां सेविका और मुखिया मिली भगत से एक ही लाभान्वित जाति के नाम को दो से तीन जगह नाम दर्ज करके संख्या बढ़ाने का काम किया है।वही चयन प्रक्रिया में ओबीसी बाहुल्य जाति होने के बावजूद भी सामान्य कोटि

का अभ्यर्थी का चयन गलत तरीके से किया गया है जिसको लेकर ग्रामसभा में भी पुरजोर विरोध किया गया मगर उपस्थित अधिकारियों ने अपनी मनमानी करते हुए चयन प्रक्रिया पुरी की है।जहां पूरे मामले को लेकर पीड़िता महिला ने बताया कि वह विधवा है और इस पद के लिए सभी नियमों के अनुरूप भी है मगर उसका चयन नहीं किया जाना कहीं ना कहीं एक गलत संदेश दे रहा है।जहां उन्होंने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं उपायुक्त साहिबगंज से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से जांच करवाते हुए फिर से चयन प्रक्रिया करवाने की मांग की है।उधर इस मामले को लेकर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि पीड़िता के द्वारा लिखित आवेदन दिया गया है जिसकी जांच कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

फिल्म समीक्षा: ओह माई डॉग

वफादारी, इमोशन और सामाजिक संदेश से भरपूर दिल छू लेने वाली फिल्म फिल्म- ओह माय डॉग

स्टारकास्ट- माही राय,पंकज त्रिपाठी ,पवन मल्होत्रा, राजेश कुमार ,गीता अग्रवाल, श्रीधर दुबे , ऑस्कर , ब्रूनो
डायरेक्टर- अमित राय
रेटिंग- 3.5

कहानी : फिल्म की कहानी दो अलग-अलग राज्यों और अलग-अलग परिस्थितियों में रहने वाले दो बच्चों और उनके डॉग्स के इर्द-गिर्द घूमती है। असम में रहने वाला टेक्नोलॉजी का शौकीन अप्पू अपने डॉगी मोमो से बेहद प्यार करता है। वहीं बिहार में रहने वाला बाल मजदूर प्रिंस अपने डॉगी ऑस्कर को परिवार का हिस्सा मानता है। एक दिन अचानक मोमो और प्रिंस दोनों लापता हो जाते हैं। पुलिस इन मामलों में ज्यादा मदद नहीं कर पाती लेकिन अप्पू अपने प्यारे मोमो की तलाश में जुट जाता है, जबकि डॉगी ऑस्कर भी अपने मालिक प्रिंस को खोजने के लिए हर संभव कोशिश करता है। तो क्या आखिर में अप्पू को अपना मोमो और ऑस्कर को अपना प्रिंस मिल पाता है या नहीं यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी...

एक्टिंग: अभिनय की बात करें तो माही राय ने अपने पहले ही प्रयास में शानदार काम किया है। अप्पू के किरदार में उनका आत्मविश्वास और मासूमियत दोनों दर्शकों को प्रभावित करते हैं। वहीं डॉगी ऑस्कर फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरता है। उसके भाव और स्क्रीन प्रेजेंस कई दृश्यों को बेहद भावुक बना देते हैं। पवन मल्होत्रा, पंकज त्रिपाठी, गीता अग्रवाल, श्रीधर दुबे और गौतम ने अपने-अपने किरदारों को ईमानदारी से निभाया है। हालांकि राजेश कुमार कुछ दृश्यों में जरूरत से ज्यादा लाउड नजर आते हैं लेकिन इससे फिल्म पर ज्यादा असर नहीं पड़ता।

डायरेक्शन: निर्देशक और लेखक अमित राय ने एक बेहद संवेदनशील विषय को प्रभावशाली ढंग से बड़े पर्दे पर उतारने की कोशिश की है। उन्होंने पशु प्रेम के साथ-साथ मानव और जानवरों की तस्करी, डॉग मीट कारोबार, पटाखों से बेजुबान जानवरों को होने वाली तकलीफ और अंग तस्करी जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों को कहानी में सहजता से पिरोया है। फिल्म यह भी दिखाती है कि लालच किस तरह इंसान को संवेदनहीन बना देता है और गरीबी इंसान को किस हद तक मजबूर कर सकती है। हालांकि कहानी दमदार है, लेकिन पटकथा में कसावट की कमी साफ महसूस होती है। फिल्म का पहला भाग थोड़ा धीमा है और कुछ चेज सीक्वेंस जरूरत से ज्यादा लंबे लगते हैं, जिससे रफ्तार प्रभावित होती है। वहीं, कुछ दृश्य तार्किकता की कसौटी पर कमजोर पड़ते हैं और प्रोडक्शन वैल्यू में भी सुधार की गुंजाइश नजर आती है। इसके बावजूद अमित राय अपनी संवेदनशील कहानी और मजबूत संदेश के दम पर दर्शकों का ध्यान बनाए रखने में सफल रहते हैं।

हुस्न परी बनीं एश्वर्या राय, 600 घंटे की मेहनत, 7000 असली मोतियों से बनी ड्रेस पहनकर कान्स पहुंची एक्ट्रेस

मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम करने वाली ऐश्वर्या राय एक बार फिर से अपने हुस्न और फैशन स्टाइल को लेकर सुर्खियों में हैं। फ्रांस में हुए कांस फिल्म फेस्टिवल से उनकी कुछ शानदार तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में ऐश्वर्या राय मशहूर फैशन डिजाइनर टोनी वार्ड द्वारा डिजाइन किए गए खास गाउन में नजर आ रही हैं। इस शानदार आउटफिट को करीब 7 हजार असली मोतियों और बेहतरीन रेशम से बेहद बारीकी से साथ तैयार किया गया है। ऐश्वर्या का शाही और आकर्षक लुक फैंस को इतना पसंद आया कि उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब चर्चा बटोर रही हैं। कांस फिल्म फेस्टिवल खत्म हुए काफी समय बीत चुका है लेकिन ऐश्वर्या राय बच्चन का स्टाइल और खूबसूरती आज भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। हाल ही में उनकी कुछ अनदेखी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जिन्होंने फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। ये तस्वीरें रेड कार्पेट की नहीं, बल्कि समुद्र किनारे की हैं, जहां ऐश्वर्या अपने बेहद शाही और एलिगेंट अंदाज में नजर आ रही हैं। उनका यह रॉयल लुक लोगों को खूब पसंद आ रहा है। लंबे समय से उनकी नई तस्वीरों का इन्तजार कर रहे फैंस इस फोटोज पर जमकर प्यार बरसा रहे हैं और उनकी खूबसूरती व स्टाइल की तारीफ करते नहीं थक रहे।

सामने आया ऐश्वर्या राय का स्पेशल लुक : कांस फिल्म फेस्टिवल में रेड कारपेट पर ऐश्वर्या राय बच्चन की झलक देखने के बाद अब उनके इस खास लुक की कुछ शानदार और हाई-क्वालिटी तस्वीरें सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर आते ही ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही रही हैं। इस खूबसूरत ऑउटफिट में ऐश्वर्या का शाही और एलिगेंट अंदाज लोगों को बेहद पसंद आ रहा है। उनकी अदाओं और स्टाइल ने हर किसी का दिल जीत लिया है।

600 घंटों से ज्यादा समय में बनी ऐश्वर्या की यह ड्रेस : कान्स 2026 के लिए ऐश्वर्या राय बच्चन का टोनी वार्ड कॉउचर गाउन कलाकारी और बारीकी का एक शानदार मेल है। इसमें हाथ से लगाए गए 7,000 से ज्यादा मोती, लगभग 40 मीटर सिल्क टैफेटा और 600 घंटे से ज्यादा की कारीगरी शामिल है।

बेहद खास था ऐश्वर्या राय का यह लुक: ऐश्वर्या राय बच्चन ने इस मौके पर मोतियों से सजे बेहद आकर्षक गाउन को चुना, जिसके साथ उन्होंने सफेद रंग की लंबी और स्टाइलिश केप कैरी की थी। उनके इस आउटफिट का डिजाइन बेहद अलग और शाही अंदाज वाला था। लुक को और निखारने के लिए उन्होंने बालों को सॉफ्ट कर्ल्स में स्टाइल किया, जबकि एक्सेसरीज को बेहद मिनिमल रखा। यही सादगी और एलिगेंस उनके पूरे लुक को और भी खास बना रही थी।

बहुत दर्द में हैं एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना, चलना-फिरना तक हुआ मुश्किल, चोट देख डॉक्टर भी हुए हैरान

हाल ही में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली फिल्म मैसा की शूटिंग के दौरान घायल हो गई थीं। इस खबर के सामने आते ही उनके फैंस उनकी सेहत को लेकर चिंता में पड़ गए। अब सोमवार को रश्मिका ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अपने सेहत का अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि उन्हें यह चोट कैसे लगी और यह भी खुलासा किया कि पिछले कुछ समय में यह तीसरी बार है, जब शूटिंग के दौरान उन्हें चोट का सामना करना पड़ा।

यह मेरी तीसरी चोट है : चोट लगना बहुत बुरा होता है और मुझे सच में उम्मीद थी कि किसी को पता नहीं चलेगा पर खैर। माफ करना कि मैं गायब थी, पर हाय ! मैं आ गई हूं। यह कुछ समय पहले हुआ था और यह मेरी लगातार तीसरी चोट है। मुझे पक्का सीखना चाहिए कि अपने शरीर को एक इंसान के शरीर की तरह समझूं, न कि किसी मशीन की तरह।

डांस शूट करते समय हुआ हादसा : लेकिन खैर, चोट असल में, कैसे समझाऊं। तो आपके कूल्हे के दोनों तरफ 4 टेंडन होते हैं जो कूल्हे को पैर से जोड़ते हैं, और मेरे दाहिने कूल्हे का एक टेंडन अलग हो गया था। उसे वापस जुड़ना होगा ताकि मैं अपना पैर उठा सकूं और बाकी चीजें कर सकूं और यह 'माइसं' के लिए डांस शूट के दौरान हुआ । हे भगवान, यह पक्का अब तक का मेरा सबसे जबरदस्त फि ल्म प्रोजेक्ट रहा है ।

जबरदस्ती की छुट्टी पर हूं: लेकिन चिंता मत करो.. दर्द तो है पर ऐसा नहीं कि सहा न जा सके। तो बस यही बात है और मुझे लगता है कि भगवान कह रहे हैं कि अगर तुम पर छोड़ दिया जाए तो तुम कभी ब्रेक नहीं लोगी इसलिए मैं तुम्हारे लिए यह कर देता हूं। आपको पता है, मुझे जो भी चोटें लगी हैं, वे सब अचानक और अजीब तरह से लगी हैं- अजीब हादसे, क्या इत्तेफाक है ? जबरदस्ती की छुट्टी- पर हां, कोई शिकायत नहीं है। मैं बहुत सारे पजल सॉल्व कर रही हूं, मुझे पता ही नहीं था कि मैं इसमें इतनी अच्छी हूं

वजन बढ़ने को लेकर हुई टेंशन : सच में वजन न बढ़ने देने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि मैं बहुत जोरदार वर्कआउट और रनिंग करती हूं जिससे मैं ठीक-ठाक शेप में रहती हूं और अब मैं कुछ समय तक वर्कआउट या रनिंग नहीं कर पाऊंगी और अगर मैं वर्कआउट नहीं कर सकती तो क्या करूं, मैं खाती हूं और डेजर्ट मॉन्स्टर बन जाती हूं।

न पति का मिला साथ, बेटा भी नहीं देता मां का दर्जा, 80 की उम्र में अकेली रहती हैं पवित्र रिश्ता फेम ऊषा नाडकर्णी, बोलीं- अब मौत से डर नहीं लगता

पवित्र रिश्ता सीरियल से घर-घर में पहचान बनाने वाली उषा नाडकर्णी ने मनोरंजन के क्षेत्र में सात दशकों से ज्यादा काम किया है। हिंदी और मराठी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ने के बाद उन्होंने हिंदी टेलीविजन में भी बहुत नाम कमाया है। लेकिन पवित्र रिश्ते ने उनकी लोक्रप्रियता पहले से भी ज्यादा बढ़ा दी। पर्दे पर अपनी मजबूत अदाकारी के लिए मशहूर उषा नाडकर्णी की निजी जिंदगी बहुत मुश्किलों से भरी है।

80 साल की उम्र में अकेले जीवन बिताती हैं एक्ट्रेस : हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान उषा ने बताया की वो साल 1987 से अकेले समय बिता रही हैं। उनका एक ही बेटा है जो विदेश में रहता है और भाई-बहनों को खोने के बाद उन्होंने अकेला रहना सीख लिया है।

इसी के साथ उन्होंने बताया कि पहले उन्हें अकेले रहने में बहुत डर लगता था। उन्होंने हमेशा ही ऐसा लगता रहता था की उनके ऊपर कोई हमला कर देगा। इसी वजह से वो हमेशा अपने गार्ड को घर के दरवाजे तक लेकर जाती थीं। लेकिन अब ऐसा कुछ भी नहीं है इतने साल अकेले रहने के बाद अब उन्हें आदत हो गई है।

अब मौत से डर नहीं लगता : इसी के साथ एक्ट्रेस ने बताया कि अकेले रहने की वजह से कभी-कभी उनके मन में मौत का ख्याल जरूर आता है लेकिन उन्हें इसे लेकर कोई डर नहीं है। उनका मानना है कि किसी को नहीं पता कि जिंदगी का अंत कब और किस तरह होगा। कुछ लोगों की मौत नींद में हो जाती है तो कुछ अस्पताल में आखिरी सांस लेते हैं। उषा ने मजाकिया अंदाज में कहा की अगर उनकी मौत नींद में हो गई तो पडोसी दरवाजा खटखटाकर यही सोचेंगे कि आज बुढ़िया ने दरवाजा क्यों नहीं खोला ?

नानी ने किया एक्ट्रेस के बेटे का पालन-पोषण : इसके बाद उषा ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की और उन्होंने बताया कि वो बहुत सालों पहले ही अपने पति से अलग हो गई थीं लेकिन उनके मन में किसी के लिया कोई वैर नहीं है। उषा का एक बेटा है, जिसका पालन पोषण एक्ट्रेस की मां यानि लड़के की नानी ने किया। ऐसा इस वजह से क्योंकि जब उनका बेटा छोटा था तो वो काम में काफी व्यस्त रहती थीं।

बेटा नहीं देता मां का दर्जा: इसी के साथ उन्होंने एक ऐसी बात बताई जो किसी भी मां के लिए सुनना काफी दुखद हो सकता है। उन्होंने बताया की उनका बेटा हर बार यही कहता है कि मैंने सिर्फ उसे जन्म दिया है, असली मां तो मेरी नानी ही है।

डर में बीता पूरा बचपन : इसी के साथ उन्होंने अपनी बचपन की बातें भी शेयर कीं, उन्होंने बताया कि उन्हें अपने जीवन में कभी भी पिता से पिता जैसा प्यार नहीं मिला। उन्होंने बताया कि उनके पिता एयर फोर्स में अफसर थे और बहुत ज्यादा हिंसक थे। हम हर समय बस डर में ही जीवन बिताते थे। यदि कोई भी चीज किसी जगह से अलग हो जाए तो वो बहुत हिंसक रूप ले लेते थे।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल 2030: क्या मोरक्को नहीं, स्पेन बनेगा अगले विश्व कप फाइनल का मेजबान? सरकार का बड़ा दावा

नई दिल्ली : फीफा विश्व कप 2030 के फाइनल की मेजबानी को लेकर उठी अटकलों के बीच स्पेन ने साफ किया है कि उसे अब भी पूरा भरोसा है कि खिताबी मुकाबला उसके देश में ही खेला जाएगा। स्पेन सरकार का कहना है कि विश्व कप फाइनल की मेजबानी का सबसे मजबूत दावेदार वही है और वह इसका हकदार भी है।

'स्पेन फाइनल की मेजबानी का हकदार': ब्रिटिश मीडिया की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फीफा ने कथित तौर पर 2030 विश्व कप का फाइनल सह-मेजबान मोरक्को को देने का फैसला कर लिया है। इस पर स्पेन की खेल मंत्री मिलाग्रोस तोलोन ने कहा कि स्पेन के पास फाइनल की मेजबानी के लिए कई मजबूत दावेदार स्टेडियम और पर्याप्त आधार हैं। उन्होंने कैडेना सेर से बातचीत में कहा, 'हम मौजूदा पुरुष और महिला विश्व चैंपियन हैं। 2030 विश्व कप की मेजबानी के लिए स्पेन और पुर्तगाल ने संयुक्त बोली की अगुआई की थी, जिसमें बाद में मोरक्को भी शामिल हुआ। हमारे देश के पास कई मजबूत खूबियां हैं।'

स्पेन और मोरक्को के बीच फाइनल की मेजबानी की होड़: 2030 फीफा विश्व कप की संयुक्त मेजबानी स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को करेंगे। मोरक्को की योजना कासाब्लांका के पास प्रस्तावित 1.15 लाख दर्शक क्षमता वाले किंग हसन द्वितीय स्टेडियम में फाइनल आयोजित कराने की है। वहीं, स्पेन के पास दो बड़े विकल्प मौजूद हैं रियल मैड्रिड का सैंटियागो बनार्बेउ स्टेडियम और बार्सिलोना का कैंप नोउ स्टेडियम।

फीफा ने रिपोर्ट को बताया भ्रामकः फीफा ने मंगलवार को ब्रिटिश मीडिया की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने अपने समर्थन के बदले मोरक्को को 2030 विश्व कप फाइनल की मेजबानी का भरोसा दिया है। फीफा के प्रवक्ता ने कहा कि यह दावा गलत और भ्रामक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2030 विश्व कप फाइनल की मेजबानी को लेकर अभी कोई वादा नहीं किया गया है और इस पर फैसला उचित समय पर फीफा ही करेगा।

सितंबर में होगी अगली बैठक: स्पेन की खेल मंत्री ने कहा कि सरकार इस रिपोर्ट से हैरान जरूर हुई थी, लेकिन फीफा की ओर से इसका खंडन किए जाने के बाद स्थिति स्पष्ट हो गई है। उन्होंने कहा, 'हम फीफा के साथ लगातार काम कर रहे हैं।

मलाइका अरोड़ा ने खरीदी महिंद्रा थार रॉक्स, हिंदू रीति-रिवाजों के साथ गाड़ी का किया स्वागत, फैंस बोले- 'यही है भारतीय संस्कृति'

बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा ने अपने कार कलेक्शन में एक नई महिंद्रा थार रॉक्स स्टार एडिशन शामिल की है। सावन के पहले सोमवार के शुभ अवसर पर उन्होंने इस नई एस.यू.वी का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया। सोशल मीडिया पर सामने आई वीडियो में मलाइका नई कार की पूजा-अर्चना करती, तिलक लगाती और शुभ शुरूआत करती नजर आईं। पूजा के बाद उन्होंने अपनी नई कार के साथ तस्वीरें और वीडियो भी कैप्चर किए। जैसे ही ये झलकियां इंटरनेट पर आई, फैंस ने उन्हें नई गाडी की खरीद पर शुभकामनाएं देना शुरू कर दिया।

मलाइका ने खरीदी गोल्डन रंग की थार: मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में गोल्डन कलर की शानदार थार खरीदी है, जो अपनी खूबसूरती और आकर्षक लुक की वजह से सड़कों पर लोगों का ध्यान खींच रही है। उनकी नई कार को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उन्हें नई गाड़ी के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। हालांकि, मलाइका ने खुद अपनी नई कार से जुड़ी कोई तस्वीर या पोस्ट शेयर नहीं की है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं मलाइका हिन्दू रीति-रिवाजों के साथ अपनी नई कार की पूजा करती हुई दिख रही हैं।

मलाइका ने खरीदी कौन सी थार ? : मलाइका अरोड़ा ने महिंद्रा थार रॉक्स स्टार एडिशन को अपने कार क्लेशन में शामिल किया है। इस शानदार एसयूवी की शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 16.85 लाख रुपये है। दमदार डिजाइन, मजबूत बिल्ड और बेहतरीन ऑफ-रोडिंग क्षमता के कारण यह कार युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। महिंद्रा थार रॉक्स, पहले से मौजूद तीन दरवाजों वाली थार का ज्यादा स्पेस और सुविधा देने वाला पांच दरवाजों वाला अपडेटेड वर्जन है।

हाल ही में मिस्ट्री मैन संग शेयर की थी तस्वीरें : हाल ही में मलाइका अरोड़ा अपने ग्रीस वेकेशन की वजह से सुर्खियों में रहीं। उन्होंने इस ट्रिप की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं, जिनमें वह एक मिस्ट्री मैन के साथ नजर आईं। इन तस्वीरों में मलाइका समुद्र के बीच एन्जॉय करती दिखाई दीं। अपने वेकेशन फोटो कलेक्शन में मलाइका ने कई ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक्स शेयर किए। एक फोटो में वह ग्रीक स्टाइल के खूबसूरत घर में आराम के पल बिताती नजर आईं, वहीं दूसरी तस्वीर में वह पिंक और रेड मोनोकिनी पहनकर अपने बोल्ड अंदाज से फैंस का ध्यान खींचती दिखीं।

करोड़ों का कर्ज चुकाने के लिए सुष्मिता मुखर्जी एक्ट्रेस ने किया था सी ग्रेड फिल्मों में काम, बोलीं- मैंने अपनी आत्मा बेच दी थी

बॉलीवुड की चकाचौंध के पीछे कई कलाकारों ने ऐसे संघर्ष झेले हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। किंग अंकल, खलनायक और गोलमाल रिटर्न्स और दोस्ताना जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर चुकी वरिष्ठ अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी ने हाल ही में अपनी जिंदगी के सबसे कठिन दौर का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी आया, जब 1 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने की मजबूरी उन्हें सी-ग्रेड और महिलाओं को आपत्तिजनक तरीके से पेश करने वाली फिल्मों में काम स्वीकार करना पड़ा। अभिनेत्री ने कहा की वह फैसला उनकी इच्छा का नहीं, बल्कि हालत की मजबूरी थी।

सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर छलका दर्द : किंग अंकल में शाहरुख खान के साथ काम कर चुकीं अनुभवी अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा कर अपने जीवन के सबसे कठिन समय को याद किया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए इस अपने इस वीडियो में उन्होंने बताया कि जब लोग उनसे यह सवाल पूछते थे कि उन्होंने अपने करियर में सी-ग्रेड और कमजोर स्तर की फिल्में क्यों कीं, तो यह बात उन्हें अंदर तक आहत कर देती थी। एक्ट्रेस के कबूला की आर्थिक संकट और पैसों की जरुरत के कारण उन्हें ऐसी फिल्मों में काम करना पड़ा, जिनका विषय उन्हें पसंद नहीं और जिनमें महिलाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने कहा कि यह फैसला उनकी पसंद नहीं था बल्कि परिस्थितियों की मजबूरी थी। इसके बाद उन्होंने कहा- क्या मैंने अपनी आत्मा बेची ? हां, मैंने अपनी आत्मा बेची. मुझे तब भी अच्छा नहीं लगा था और आज भी उन फिल्मों को देखकर गर्व महसूस नहीं होता, लेकिन वो मेरी मजबूरी थी।

मोहम्मद सालाह दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर इस टीम से जुड़े; लिवरपूल से छूटा था नौ साल का साथ

इस्तांबुल : मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह 'लिवरपूल' छोड़ने के बाद दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर 'ट्रैबजोनस्पोर' से जुड़ गए हैं। सालाह ने लिवरपूल के साथ शानदार नौ साल बिताए थे, जिसके बाद उन्होंने तुर्किये सुपर लीग क्लब के साथ 'फ्री ट्रांसफर' के जरिए जुड़ने का फैसला किया है। यह कदम सालाह और लिवरपूल के बीच आपसी सहमति से कॉन्ट्रैक्ट को एक साल पहले खत्म करने के फैसले के बाद उठाया गया है, जिससे 2025-26 सीजन के बाद एनफील्ड में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया।

सालाह के जाने से लिवरपूल के आधुनिक इतिहास के सबसे सफल अध्यायों में से एक का समापन हुआ है। सालाह साल 2017 की गर्मियों में इटैलियन क्लब एएस रोमा से यहां आए थे, जिसके बाद इस मिस्र के खिलाड़ी ने क्लब के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाते हुए लिवरपूल की घरेलू और यूरोपीय सफलता में अहम भूमिका निभाई। एनफील्ड में सालाह ने लिवरपूल को दो प्रीमियर लीग खिताब, यूईएफए चैंपियंस लीग, फीफा क्लब वर्ल्ड कप, यूईएफए सुपर कप, एफए कप, दो लीग कप और एफए कम्युनिटी शील्ड जीतने में मदद की। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने मसीसाइड क्लब के लिए 435 मुकाबलों में 255 गोल दागे और लिवरपूल की अब तक की सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चार बार प्रीमियर लीग 'गोल्डन बूट' भी जीता।

लिवरपूल में सालाह का आखिरी सीजन चुनौतीपूर्ण रहा; उन्हें नियमित रूप से खेलने का समय नहीं मिल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तत्कालीन हेड कोच अर्ने स्लॉट के साथ सालाह के संबंध खराब हो गए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को समय से पहले खत्म करने पर सहमति जताई। 34 वर्षीय खिलाड़ी अब तुर्किये में ट्रैबजोनस्पोर के साथ एक नई चुनौती की शुरूआत कर रहे हैं, जो देश के सबसे सफल क्लबों में से एक है।

न्यूज ब्रीफ

बॉर्डर पर उड़कर पहुंचेंगे गोला-बारूद, रक्षा मंत्रालय ने शुरू की लॉजिस्टिक ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया

नई दिल्ली: भारतीय सेना चीन और पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर अपनी वॉर पावर बनाए रखने के लिए बड़ा कदम उठा रही है। रक्षा मंत्रालय ने 2715 लॉजिस्टिक्स ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह भारतीय सेना के लिए आपूर्ति मिशनों के लिए ड्रोन की अब तक की सबसे बड़ी प्रस्तावित खरीद होगी। मंत्रालय ने इंडस्ट्री से जानकारी मांगने के लिए आरएफआई जारी किया है। इन ड्रोनों से दूर-दराज की सीमा चौकियों पर तैनात सैनिकों तक राशन, गोला-बारूद, चिकित्सा सामग्री और अन्य जरूरी सामान पहुंचाया जा सकेगा।

बता दें कि संघर्ष की स्थिति में रसद मार्ग अक्सर दुश्मन की निगरानी और गोलाबारी का पहला निशाना बनते हैं। ड्रोन आधारित आपूर्ति से सैनिकों को बिना जोखिम के जरूरी सामग्री मिल सकेगी। कठिन इलाके या बाधित मार्गों पर भी अलग-थलग पड़ी पोस्ट को बनाए रखा जा सकेगा। दुनिया भर के हालिया संघर्षों ने साबित किया है कि लॉजिस्टिक्स ड्रोन युद्ध के मैदान पर सहनशक्ति और प्रतिक्रिया क्षमता को काफी बढ़ा देते हैं। इससे मैदानी इलाकों से लेकर चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर ऊंचे पहाड़ी पोस्ट तक संचालन आसान होगा।

देश की 32 यूनिवर्सिटीज फर्जी घोषित, यूजीसी की चेतावनी, ऑनलाइन डिग्री के झांसे में न आएं छात्र

नई दिल्ली: 12वीं पास करने के बाद या ग्रेजुएशन के लिए यूनिवर्सिटी चुनते समय हर छात्र का सपना एक अच्छी और प्रतिष्ठित जगह से पढ़ाई करने का होता है। हालांकि, आज के डिजिटल दौर में ऑनलाइन लर्निंग, डिस्टेंस एजुकेशन और नई-नई प्राइवेट यूनिवर्सिटीज की बाढ़ सी आ गई है। ऐसे में कई बार छात्र आकर्षक एडवरटाएजमेंट और लुभावने दावों के झांसे में आकर ऐसी गैर-मान्यता प्राप्त या फर्जी यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले लेते हैं, जिससे उनका कीमती समय और पैसा दोनों बर्बाद हो जाते हैं। छात्रों को ऐसी धोखाधड़ी से बचाने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बड़ा कदम उठाते हुए देश भर में 32 फर्जी विश्वविद्यालयों की पहचान की है और उनकी लिस्ट जारी की है।

यदि आप भी किसी कालेज, यूनिवर्सिटी या ऑनलाइन/डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम में दाखिला लेने की सोच रहे हैं, तो एडमिशन प्रक्रिया पूरी करने से पहले यूजीसी की गाइडलाइंस के अनुसार इन बातों का ध्यान जरूर रखें। यूजीसी ने स्पष्ट किया है कि देश भर में संचालित 32 ऐसे संस्थान पाए गए हैं, जो बिना किसी अधिकार या यूजीसी एक्ट का उल्लंघन करके अवैध रूप से डिग्रियां बांट रहे हैं। इन संस्थानों को यूजीसी द्वारा कोई मान्यता प्रदान नहीं की गई है और इनके द्वारा दी जाने वाली डिग्रियां सरकारी नौकरियों या उच्च शिक्षा के लिए पूरी तरह से अमान्य होंगी। छात्र दाखिला लेने से पहले यूजीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर फेक यूनिवर्सिटी सेक्शन में जाकर इन 32 गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की पूरी लिस्ट जरूर चेक कर लें।

ऑनलाइन और डिस्टेंस लर्निंग के लिए डीईबी पोर्टलः यदि आप ऑनलाइन मोड या डिस्टेंस लर्निंग से बीए, बीएससी, एमबीए या अन्य कोई कोर्स कर रहे हैं, तो केवल यूजीसी अप्रूवल ही काफी नहीं है। ऐसे कोर्सेज के लिए यूनिवर्सिटी के पास डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो (डीइबी) की विशेष मंजूरी होना अनिवार्य है। इसके लिए यूजीसी-डीईबी के आधिकारिक पोर्टल पर जाएं। एनटिल्ड एचईएलएस सेक्शन में जाकर चेक करें कि यूनिवर्सिटी को उस विशिष्ट ऑनलाइन या डिस्टेंस कोर्स को चलाने की अनुमति दी गई है या नहीं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान

जेन जी पर हमें भरोसा, एंटी नेशनल नहीं हैं

भागवत बोले, छात्रों के आंदोलन ने सरकार को दिखाया आईना

मुंबई/ एजेंसी: राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जेन-जी को लेकर अपने विचार साझा किए और केंद्र की एनडीए सरकार को छात्रों के आंदोलन को लेकर आईना भी दिखाया। उन्होंने कहा कि यह पीढ़ी (जेन जी) पिछली पीढ़ी जैसी नहीं है, जो बड़ों से सवाल नहीं करती थी। यह पीढ़ी आज तार्किक जवाब चाहती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नई पीढ़ियां जेन जी और जेन अल्फा, पुरानी पीढ़ियों से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार हैं। हमें उनकी बातों को सुनना चाहिए। केवल विरोध करने से वे देश विरोधी नहीं हो जाते। वे अपने ही लोग हैं। जैसे उन्हें हमारी बात समझनी चाहिए, ठीक वैसे ही हमें भी उनकी बात समझनी चाहिए। मुंबई के नीता अंबानी कल्चरल सेंटर में एक कार्यक्रम में

अपनी बात रख रहे आरएसएस प्रमुख ने जोर देकर कहा कि जेन जी अगर आंदोलन कर रही है, तो हमें उनकी बात को सुनना होगा। उनके साथ बातचीत में कमी थी, इसलिए जंतर मंतर पर आंदोलन हुआ है। संघ प्रमुख ने लोकतंत्र में आंदोलन को लेकर बात करते हुए कहा कि यह संवाद का तरीका है।

अगर आगे पीढ़ियां है, तो हमें सभी को साथ लेकर चलना होगा। बंटवारे के साथ हम कुछ नहीं कर सकते। जहां तक जेन-जी की बात है, तो शिक्षा में सुधार की जरूरत है। इसलिए संवाद बेहद जरूरी है। मेरा अनुभव है कि जब हम इस उम्र में थे, तब हमारा स्वभाव सवाल न करने का था, लेकिन जेन जी हर बात का तार्किक जवाब चाहती है। उसे सिर्फ जबाव ही नहीं, बल्कि अपनापन और स्नेह भी चाहिए। उन्होंने जेन जी आंदोलन पर कहा कि आंदोलन किसी व्यक्ति या समूह के खिलाफ नहीं होना चाहिए। बल्कि इसे सिस्टम में सुधार के तौर पर देखना चाहिए। अगर जेन-जी से संवाद की कमी न होती, तो आंदोलन की नौबत ही न आती। खबरों में आया है कि कुछ उपद्रवी भी उस आंदोलन में घुस आए थे, लेकिन अगर मैं किसी पर आंखें बंद करके भरोसा कर सकता हूं, तो वह जेन-जी ही हैं।

सरकार पहले ही बात कर लेती, तो नहीं होता आंदोलनः संघ प्रमुख ने कहा कि आंदोलन तब होता है, जब बातचीत नाकाम हो जाती है। अगर सरकार ने पहले ही बात कर ली होती, तो आंदोलन की जरूरत नहीं होती। आंदोलन भी बातचीत का एक तरीका है। हमें भी देखना होगा कि अगर जेन जी चिल्ला रही है, तो कोई तकलीफ है, तभी चिल्ला रही है।

देश के बजट का छह फीसदी शिक्षा पर खर्च होः मोहन भागवत ने कहा कि हम एजुकेशन बजट बढ़ाने का समर्थन करते हैं। यह कुल बजट के छह फीसदी तक होना चाहिए। उन्होंने साथ ही कहा कि ऐसा किसी ने नहीं कहा कि सरकार ही पूरी शिक्षा चलाए। हमें भी सहयोग करना होगा। नई पीढ़ी के बारे में हमें चिंता होनी चाहिए।

रिजर्वेशन पर नहीं होनी चाहिए राजनीतिः शिक्षा और नौकरी में रिजर्वेशन और जनरल कैटेगरी के बच्चों के साथ कथित भेदभाव के सवाल पर संघ प्रमुख ने कहा कि इस बारे में मैं सीधा जवाब नहीं दूंगा। हमें अंबेडकर जी की सोच को फॉलो करना होगा। सामाजिक भेदभाव चलता रहेगा, जब तक रिजर्वेशन रहेगा। इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। इससे समाज में भेदभाव बनता है, इससे एकता नहीं आती।

राहुल गांधी 8 अगस्त को प्रयागराज में करेंगे छात्रों से संवाद, तीन लाख छात्रों के जुटने का दावा

प्रयागराजः कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आठ अगस्त को प्रयागराज में छात्रों के साथ संवाद करेंगे। पार्टी का दावा है कि केपी कॉलेज मैदान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में करीब तीन लाख छात्र शामिल होंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार यह ह्यछात्र संवादह्ल कार्यक्रम शाम पांच बजे से शुरू होगा। इसमें छात्रों के लिए चाय-पानी की व्यवस्था की गई है, जबकि कुछ प्रतिभागियों के लिए रात्रि भोजन का भी प्रबंध रहेगा। छात्रों की सुविधा के लिए निःशुल्क ई-रिक्शा सेवा उपलब्ध कराने की भी तैयारी की जा रही है।

कांग्रेस नेताओं के अनुसार कार्यक्रम के लिए करीब दो करोड़ रुपए की लागत से विशाल पंडाल तैयार कराया जा रहा है। राहुल गांधी के मंच तक पहुंचने के लिए विशेष कॉरिडोर बनाया जा रहा है,

जिससे वह छात्रों के बीच संवाद कर सकें। आयोजन से जुड़े लोगों का यह भी दावा है कि राहुल गांधी के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के दौरान आतिशबाजी की व्यवस्था की गई है। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कार्यक्रम की जानकारी साझा करते हुए छात्रों की गूंज शीर्षक से पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पंजीकरण हेतु क्यूआर कोड भी उपलब्ध कराया गया है।

कांग्रेस का कहना है कि शिक्षा के प्रमुख केंद्र माने जाने वाले प्रयागराज से पार्टी युवाओं और छात्रों के मुद्दों पर व्यापक संवाद शुरू करना चाहती है। हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन के बाद यह कार्यक्रम राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, कार्यक्रम में शामिल होने वाले छात्रों की संख्या, आयोजन पर होने वाले खर्च और अन्य व्यवस्थाओं संबंधी दावे पार्टी की ओर से किए गए हैं,

मम्मी मुझ पर गुस्सा करेंगी.. राहुल ने सोनिया गांधी के डॉग नूरी के साथ शेयर किया क्यूट वीडियो

नई दिल्लीः कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का एक बेहद ही प्यारा और दिल छू लेने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राहुल गांधी अपनी मां सोनिया गांधी की पालतू डॉगी नूरी के साथ मस्ती करते और दुलार जताते हुए नजर आ रहे हैं। राहुल ने इस वीडियो के जरिए बेजुबानों के प्रति दया, प्यार और सम्मान की भावना रखने का एक खास संदेश दिया है। हालांकि, वीडियो के आखिर में उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में एक मजेदार बात भी कही, जिसने नेटिजन्स का दिल जीत लिया है।

ह्यहम जानवरों के मालिक नहीं, वे हमारे साथी हैं: शेयर किए गए वीडियो में राहुल गांधी कहते नजर आ रहे हैं कि भले ही वे खुद एक डॉग पैरेंट नहीं हैं, लेकिन इस धरती पर मौजूद हर बेजुबान जानवर प्यार, देखभाल और सम्मान का हकदार है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमें जानवरों को अपनी संपत्ति या मालकी की वस्तु नहीं समझना चाहिए, बल्कि उन्हें अपना साथी मानकर उनके प्रति सहानुभूति और सम्मान का भाव रखना चाहिए। राहुल ने जोर देकर कहा कि इंसान और जानवर एक ही ग्रह को साझा करते हैं, इसलिए हमें उनके साथ सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार करना चाहिए।

मम्मी गुस्सा करेंगी, पर मैं संभाल लूंगा : वीडियो का अंत बेहद ही दिलचस्प और मजाकिया मोड़ पर होता है। कैमरे के सामने बैठी नूरी की तरफ इशारा करते हुए राहुल मुस्कुराते हैं और बताते हैं कि यह डॉगी उनकी मां सोनिया गांधी की है। इसके बाद वे मजाक में कहते हैं, मम्मी यह वीडियो पोस्ट करने के लिए मुझ पर गुस्सा होंगी, लेकिन कोई बात नहीं, मैं इसे संभाल लूंगा । इसके बाद राहुल हंसते हुए कहते हैं कि अब उन्हें वापस जाकर अपनी प्रेजेंटेशन पर काम करना है।

गोवा से गांधी परिवार का हिस्सा बनी थी नूरीः यह पहला मौका नहीं है जब नूरी सोशल मीडिया पर नजर आई हो। राहुल गांधी ने अक्टूबर 2023 में पहली बार इस नन्हे पिल्ले (जैक्स रसेल टेरियर प्रजाति) को दुनिया से मिलवाया था। उन्होंने उस वक्त पोस्ट शेयर कर लिखा था कि गोवा से आई नूरी उनके परिवार की सबसे नटखट और प्यारी सदस्य बन चुकी है और उनके जीवन में खुशियां लेकर आई है। राहुल ने तब भी कहा था कि बेजुबान जानवर इंसान को बिना शर्त प्यार और वफादारी सिखाते हैं।

सड़क किनारे वाले कुत्ते को पुचकारने का वीडियो भी हुआ था वायरलः नूरी वाले इस प्यारे वीडियो से ठीक दो दिन पहले भी राहुल गांधी का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड हुआ था। नई दिल्ली में सड़क किनारे एक आम नागरिक से बातचीत के दौरान राहुल उसके कुत्ते को सहलाते और प्यार करते दिखे थे। जब कुत्ते के मालिक ने सुरक्षा पाबंदियों का हवाला देते हुए कहा था कि वह उनसे मिल नहीं पाता, तो राहुल ने बेहद सादगी से उससे कहा था कि वह उन्हें अपने घर आने का न्योता दे, वे खुद उससे मिलने जरूर आएंगे। राहुल गांधी के इस दोस्ताना अंदाज की भी सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हुई थी।

अतीक अहमद की कब्र के पास दफनाया जाएगा बेटा अबान, जुमे की नमाज के बाद किया जाएगा सुपुर्द-ए-खाक

झांसी अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद का शव शुक्रवार सुबह प्रयागराज पहुंचा। सूत्रों ने बताया कि अबान के शव को कसारी-मसारी स्थित उसी कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा जहां उसके पिता अतीक अहमद, चाचा अशरफ और बड़े भाई असद को दफनाया गया था।

अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद और उसके साथी शाकिर उर्फ सोनू की गुरुवार को झांसी-कानपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसे में मौत हुई थी। झांसी में पोस्टमार्टम की कागजी और कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद परिजन एंबुलेंस के जरिए दोनों के शवों को लेकर प्रयागराज पहुंचे हैं। फिलहाल अबान के शव को हटवा स्थित उसकी बुआ के घर पर रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के बाद अबान अहमद के शव को कसारी-मसारी स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। अबान की कब्र फिलहाल खोद ली गई है। अतीक अहमद की कब्र के पास ही आबान की कब्र बनाई गई है। देर

रात तक कब्र खोदने का काम चलता रहा। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पुलिस के अनुसार, प्रयागराज से झांसी आ रही अबान की क्रेटा कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि हादसे में अतीक के बेटे अबान समेत दो की मौत हो गई। अन्य घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी लोग झांसी जेल में बंद अली अहमद से मुलाकात करने के लिए जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे से ठीक पहले हाईवे पर अचानक एक जानवर आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार डिवाइडर से टकरा गई

बांग्लादेश ने नई दिल्ली में शेख हसीना की मीडिया से लाइव बातचीत पर नाराजगी जताई

ढाकाः बांग्लादेश ने बुधवार को नई दिल्ली में मीडिया के साथ अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की लाइव बातचीत पर रोषा जताया. उन पर बांग्लादेश और उसके लोगों के खिलाफ 'जहरीली बातें' करने का आरोप लगाया। बुधवार (लोकल टाइम) को जारी एक प्रेस स्टेटमेंट में बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'बांग्लादेश इस बात से नाराज है कि फरार नरसंहार की दोषी शेख हसीना को बुधवार शाम नई दिल्ली में मीडिया के साथ लाइव बातचीत करने की इजाजत दी गई, जहाँ उन्होंने और उनके गुर्गों ने बांग्लादेश सरकार और उसके लोगों के खिलाफ जहरीली बातें कीं.' बयान में कहा गया, 'ढाका को इस बात पर गहरा अफसोस है कि इस घटना के हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ने वाले संभावित असर के बारे में भारत सरकार को चिंताओं से अवगत कराने के बावजूद, इस सार्वजनिक कार्यक्रम को आयोजित करने की अनुमति दी गई.' विदेश मंत्रालय ने कहा कि ऐसे दिन जब बांग्लादेश के लोग जुलाई क्रांति की दूसरी वर्षगांठ मना रहे हैं, शेख हसीना की भारतीय धरती पर यह बातचीत बांग्लादेश की संप्रभुता का अपमान है।

भारतीय वायुसेना के लिए 3.25 लाख करोड़ की महाडील, फ्रांस ने दिया 114 राफेल का प्रस्ताव

नई दिल्ली : भारतीय वायुसेना की लड़ाकू क्षमता को कई गुना बढ़ाने और आसमान में अपनी धाक और मजबूत करने के लिए एक ऐतिहासिक महाडील पर काम तेज हो गया है। फ्रांस की मशहूर विमान निर्माता कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने भारत को 114 मल्टीरोल राफेल फाइटर जेट्स देने के लिए अपना तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्ताव भारत सरकार को सौंप दिया है। करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये की इस संभावित डील की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इन विमानों का निर्माण सीधे तौर पर मेक इन इंडिया पहल से जुड़ा होगा। इसके तहत 114 में से 94 लड़ाकू विमान भारत की सरजमीं पर ही एक भारतीय पार्टनर कंपनी के साथ मिलकर बनाए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय की विंग और वायुसेना ने इस बेहद अहम प्रपोजल का बारीकी से मूल्यांकन भी शुरू कर दिया है।

अत्याधुनिक तकनीक का होगा ट्रांसफर , भारत में बनेंगे अहम पुर्जेः मई महीने में भारत द्वारा भेजे गए लेटर ऑफ रिक्वेस्ट के जवाब में फ्रांस ने जो प्रस्ताव दिया है, उसमें टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर भारी जोर दिया गया

है। भारत ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि यह डील मेक इन इंडिया के बिना मुमकिन नहीं है। इस समझौते के तहत डसॉल्ट एविएशन के साथ-साथ इंजन बनाने वाली कंपनी सफरान , एवियोनिक्स देने वाली थेल्स (ळँी२) और हथियार निर्मामा एमबीडीए भी अपनी अहम तकनीक भारत को ट्रांसफर करेंगे। इस पूरी प्रक्रिया के बाद एयरफ्रेम, इंजन और एवियोनिक्स में 55% से 60% तक स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे भारत का रक्षा उद्योग आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाएगा।

स्वदेशी अस्त्र मिसाइलों से लैस होंगे जेट्स, मिलेगी जी-4 और जी-5 की मारक क्षमताः फ्रांस के इस प्रस्ताव की जांच करते हुए भारत का खास फोकस इस बात पर है कि इन 114 जेट्स में अस्त्र जैसी स्वदेशी मिसाइलों और हथियारों को आसानी से इंटिग्रेट किया जा सके। भारतीय वायुसेना वर्तमान में राफेल के एफ3आर संस्करण का इस्तेमाल कर रही है, लेकिन नई डील में डसॉल्ट के अपग्रेडेड एफ4आर और आने वाले एफ5आर वेरिएंट्स का शानदार मिश्रण शामिल होगा। इन नए विमानों में नेक्स्ट-जनरेशन अएरअ रडार मौजूद होगा, जो दुश्मनों को बहुत दूर से ही हवा में ट्रैक कर लेगा। साथ ही, इसमें इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर से बचने के लिए उन्नत आत्मरक्षा प्रणाली, बेहतर सैटेलाइट लिंक और पायलटों के तत्काल और सटीक निर्णय लेने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित आधुनिक तकनीकें भी होंगी।

घटती स्क्वाड्रन के बीच वायुसेना के लिए क्यों जरूरी है राफेल? : इस वक्त भारतीय वायुसेना के पास 36 राफेल फाइटर जेट्स की मजबूत फ्लीट मौजूद है, जिन्हें 2015 के सौदे के तहत शामिल किया गया था। इसके अलावा भारतीय नौसेना ने भी अपने युद्धपोतों के लिए 26 राफेल-एम जेट्स का ऑर्डर दिया है। वर्तमान में रूस निर्मित पुराने मिग विमान लगातार रिटायर हो रहे हैं और स्वदेशी तेजस के प्रोडक्शन में हो रही देरी की वजह से वायुसेना की स्क्वाड्रन की संख्या तेजी से घट रही है। ऐसे में 114 नए राफेल जेट्स वायुसेना की ताकत को फिर से चरम पर पहुंचा देंगे। एक ही तरह के लड़ाकू विमानों की संख्या बढ़ने से इनके मेंटेनेंस के खर्च में भी भारी कमी आएगी। खास बात यह है कि अंबाला एयरबेस पर पहले से ही राफेल की मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल सुविधा मौजूद है, जहां बिना किसी देरी के 36 से 38 नए विमानों (करीब दो स्क्वाड्रन) को आसानी से तैनात किया जा सकता है।

जिला उपायुक्त ने की टेलीकॉम सेवाओं की समीक्षा दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क व्यवस्था सुधारने के निर्देश

बिनय मिश्रा

जिला-दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला टेलीकॉम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दूरसंचार सेवाओं की वर्तमान स्थिति, मोबाइल नेटवर्क विस्तार, डिजिटल कनेक्टिविटी, 5जी सैचुरेशन तथा भारत नेट परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त ने बीएसएनएल सहित सभी दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि निमार्णाधीन एवं प्रस्तावित मोबाइल टावरों का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि जिले के दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में नेटवर्क कवरेज में प्रभावी सुधार हो सके। उन्होंने मोबाइल टावरों की परफॉर्मेंस, इंटरनेट स्पीड, नेटवर्क रेंज, कॉल गुणवत्ता एवं कवरेज से संबंधित सभी तकनीकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में जहां भी नेटवर्क संबंधी समस्याएं हैं, वहां बीडीओ/सीओ/थाना प्रभारी संयुक्त सर्वे कर विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

उपायुक्त ने विभिन्न माध्यमों से प्राप्त नेटवर्क संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सभी दूरसंचार कंपनियों को प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से ठाकुरगंगटी/सुंदरपहाड़ी/बौआरीजोर/मेहरमा प्रखंड सहित अन्य गांवों एवं क्षेत्रों में नेटवर्क संबंधी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही भारत नेट के तहत हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा पंचायत भवनों की सूची तैयार कर जिला सामान्य शाखा को प्रेषित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि डिजिटल युग में मजबूत नेटवर्क कनेक्टिविटी अत्यंत आवश्यक है। नेटवर्क की अनुपलब्धता के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक कार्यों, ऑनलाइन सेवाओं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधाएं उत्पन्न होती हैं, जिससे विशेषकर दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सभी दूरसंचार कंपनियों से समन्वय बनाकर नेटवर्क सेवाओं में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार, डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर पवन बाघ, अपर समाहर्ता इंदर कुमार, प्रभारी जिला समान शाखा श्रीमती निशा तिर्की ,ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सहित बीएसएनएल, एयरटेल, जियो तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह के लिए आवेदन की प्रक्रिया 30 तक

जमशेदपुर : जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में आगामी 8 सितंबर 2026 को चतुर्थ दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय ने आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। जो छात्र अपने डिग्री प्रमाण पत्र प्राप्त करने के इच्छुक हैं, उन्हें ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया 30 अगस्त 2026 तक चलेगी। निर्धारित तिथि के भीतर आवेदन करने वाले छात्रों को प्रति अभ्यर्थी 1000 रुपये का शुल्क भुगतान करना होगा। आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन रखी गई है, जिसके लिए छात्र विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर एग्जामिनेशन सेक्शन के माध्यम से कन्वोकेशन लिंक पर क्लिक कर आवेदन कर सकते हैं।

डीसी आवास के बाहर खुलेग' सुविधा केंद्र, दिन-रात कभी भी सुनवाई

उपायुक्त की नई पहल, 24 घंटे दर्ज करा सकेंगे शिकायत, तेजी से निबटेंगे मामले

संवाददाता

चतरा : चतरा जिले के लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अब कार्यालय खुलने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उपायुक्त रवि आनंद की पहल पर गोपनीय शाखा (डीसी आवास) के बाहर सुविधा केंद्र स्थापित किया जा रहा है। यह केंद्र दिन-रात (24 घंटे) संचालित रहेगा, जहां कोई भी नागरिक किसी भी समय अपनी शिकायत, आवेदन, सूचना अथवा समस्या दर्ज करा सकेगा। प्रशासन की ओर से इसकी तैयारी अंतिम चरण में है। जल्द ही इसका शुभारंभ किया जाएगा। इसका उद्देश्य आमजन और प्रशासन के बीच संवाद को अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है। अक्सर दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोग कार्यालय अवधि समाप्त होने के बाद जिला मुख्यालय पहुंचते हैं, जिससे उन्हें वापस लौटना पड़ता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद लोगों को बड़ी राहत मिलेगी

उपायुक्त रवि आनंद की गोपनीय शाखा के बाहर बनाया जा रहा सुविधा केंद।

शिकायतों का तेजी से होगा निष्पादन : प्रशासन का मानना है कि इससे शिकायतों के निष्पादन में तेजी आएगी और लोगों का भरोसा भी मजबूत होगा।

प्रशासन का लक्ष्य लोगों तक बेहतर और सुगम सेवाएं पहुंचाना है। सुविधा केंद्र शुरू होने के बाद जिले का कोई भी नागरिक दिन हो या रात, अपनी समस्या प्रशासन तक आसानी से पहुंचा सकेगा। यह पहल विशेष रूप से आपात परिस्थितियों, दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले लोगों तथा तत्काल सहायता की जरूरत वाले मामलों में काफी उपयोगी साबित होगी। जिला प्रशासन की इस नई पहल को सुशासन और जनसुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उपायुक्त आवास के बाहर इसके लिए दो कमरों का निर्माण कराया जा रहा है।

किसी भी समय अपनी फरियाद दर्ज करा सकेंगे। सुविधा केंद्र में प्राप्त होने वाले सभी आवेदन एवं शिकायतों का विधिवत पंजीकरण किया जाएगा। इसके बाद संबंधित विभागों को भेज दिया जाएगा।

रात में भी आवेदन, शिकायत व सूचना देने की होगी व्यवस्था

ग्रामीणों और आपात स्थिति में पहुंचे लोगों को इस सुविधा केंद्र से मिलेगी बड़ी राहत

शिकायतों का होगा पंजीकरण, इसके बाद संबंधित विभागों को भेजा जाएगा मामला

जिला प्रशासन और जनता के बीच संवाद को और मजबूत बनाने की पहल

सुविधा केंद्र में कोई भी व्यक्ति कसी भी समय अपनी समस्याओं की शिकायत कर सकता है। केंद्र में चौबीस घंटे कर्मी उपस्थित रहेगा। इसके लिए गोपनीय शाखा के बाहर कमरों का निर्माण कराया जा रहा है। निर्माण कार्य पूर्ण होते ही सुविधा केंद्र प्रारंभ हो जाएगा।

सफलता की कहानी -7

बेहतर अधोसंरचना, बेहतर शिक्षा - पुरनापनी विद्यालय की प्रेरक पहल

संवाददाता

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सिमडेगा जिला प्रशासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनटाइड फंड (जिला योजना अनाबद्ध मद) के प्रभावी उपयोग से राजकीय प्राथमिक विद्यालय, पूणार्पानी (प्रखंडझकोलेबिरा) का व्यापक आधारभूत संरचना उन्नयन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

लगभग 7.92 लाख की लागत से विद्यालय में छत (टेरेस) की मरम्मत, फर्श का नवीनीकरण, आंतरिक रंगाई-पुताई, भवन की आवश्यक मरम्मत तथा अन्य आधारभूत संरचनात्मक सुधार किए गए। इन कार्यों के फलस्वरूप विद्यालय भवन अधिक सुरक्षित, स्वच्छ एवं आकर्षक स्वरूप में विकसित हुआ है, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बेहतर एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्राप्त हो रहा है।

पूर्व में भवन की जर्जर अवस्था, क्षतिग्रस्त फर्श तथा छत से जल रिसाव जैसी समस्याओं के कारण शिक्षण कार्य प्रभावित होता था। नवीनीकरण के उपरांत विद्यालय का वातावरण पूर्णतः परिवर्तित हो गया है। सुव्यवस्थित एवं स्वच्छ परिसर ने विद्यार्थियों में विद्यालय के प्रति आकर्षण एवं नियमित उपस्थिति को प्रोत्साहित किया है, साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-अधिगम

के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण किया है। सिमडेगा जिला प्रशासन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित विद्यालय परिसर एवं प्रत्येक बच्चे के सर्वांगीण विकास हेतु इसी प्रकार के जनहितकारी प्रयासों के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है।

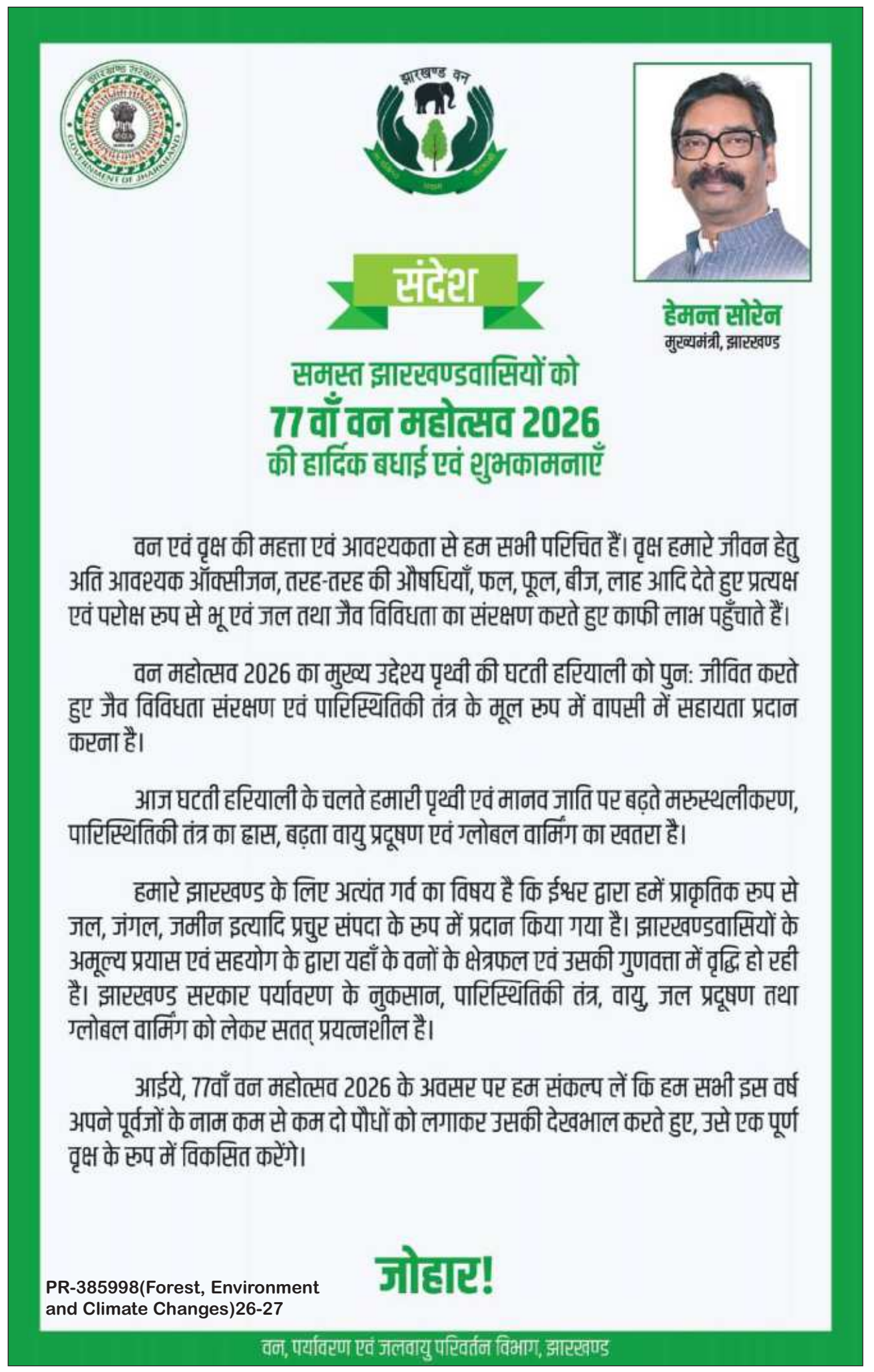

हजारीबाग में आकाशीय बिजली का 'कहर', तीन की मौत

हजारीबाग : जिले में गुरुवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो अलग-अलग घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। पहली घटना बरकट्ठा प्रखंड के चेचकपी पंचायत के चौथा गांव की है। दूसरी घटना जिले के कटकमसांडी गाव कंचनपुर की है, जहां दंपती अपने खेत में धान रोपाई कर रहे थे, तभी आकाशीय बिजली के चपेट में आने से दोनों की मौत घटनास्थल पर हो गई। हजारीबाग समेत पूरे झारखंड में इन दिनों धान रोपाई का काम चल रहा है। अच्छी बारिश ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है। धान की फसल की उम्मीद में खेत में बिचड़ा उखाड़ रहे एक दंपती की सांसें अचानक से थम गई। कटकमसांडी प्रखंड की कंचनपुर पंचायत अंतर्गत कंचनपुर गांव में आकाशीय बिजली गिरने से पति-पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान बासुदेव महतो और दुलीया देवी के रुप में हुई है। स्थानीय लोगों ने जानकारी दी कि गांव में धान रोपने का काम चल रहा था। दोनों पति-पत्नी और उनके एक बेटा धान रोपने के लिए खेत गए हुए थे। बेटा कुछ दूरी पर खेती कर रहा था। पति-पत्नी एक साथ थे। इस बीच आकाशीय बिजली गिरी और दोनों व्यक्तियों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। घटना की सूचना मिलने पर सांसद मनीष जायसवाल के प्रतिनिधि रंजन चौधरी अस्पताल पहुंचे और उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया है। इसके साथ ही सरकार की ओर से मिलने वाला मुआवजा जल्द से जल्द देने की बात कही। हजारीबाग जिले के बरकट्ठा प्रखंड की चेचकपी पंचायत अंतर्गत चौथा गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई जबकि दो महिलाएं झुलस गई। मृतक की पहचान बसवा देवी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, अचानक हुए वज्रपात की चपेट में आने से बसवा देवी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया जबकि रेणु देवी और रश्मि देवी घायल हो गई, जिनका इलाज जारी है।

अपराधियों ने युवक पर पेट्रोल डालकर लगाई आग

संवाददाता

सिमडेगा : सदर थाना क्षेत्र के सलडेगा सरना मंदिर रोड में अज्ञात अपराधियों ने देर रात एक युवक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी और उसे जिंदा जलाने का प्रयास किया. घटना में युवक गंभीर रूप से झुलस गया है. घायल की पहचान कमडरा निवासी संतोष महतो के रूप में हुई है. वह सलडेगा में किराए के मकान में रहकर एक होटल में काम करता है. बताया गया कि गुरुवार देर शाम संतोष किसी काम से सरना मंदिर की ओर गया था. रात होने पर लौट रहा था. इसी दौरान बाइक सवार तीन अज्ञात अपराधी उसका पीछा करते हुए वहां पहुंचे. तीनों ने हेलमेट से अपना चेहरा ढक रखा था.

अपराधियों की पहचान में जुटी पुलिस

आरोप है कि अपराधियों ने संतोष के ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी. आग लगते ही संतोष बुरी तरह झुलस गया और दर्द से तड़पते हुए वहां से भागने लगा. उसकी

चीख-पुकार सुनकर आसपास के स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसके शरीर में लगी आग बुझाई. इसके बाद गंभीर हालत में उसे सिमडेगा सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है. घटना की सूचना मिलने के बाद शुक्रवार सुबह पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और घायल संतोष से घटना की जानकारी लेने के साथ मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित सुरागों की तलाश कर रही है. घटना के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है।